

//-- सुविचार --//

असल में वही जीवन की चाल समझता है, जो सफर में धूल को गुलाल समझता है।

सूर्योदय

उदय : 5.02 प्रातः

अस्त : 6.35 संध्या

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	40.0	27.0
जमशेदपुर	42.0	28.0
रामगढ़	42.9	32.7
डालटनगंज	44.0	32.0

दैनिक

आदित्यार्ण तमसः परस्वामि

प्रदेश के साथ पूरा देश...

नावप्रदेश

अंदर के पृष्ठों पर

3 | राजधानी

5 | झारखंड

6 | अभिव्यक्ति

7 | झारखंड

रांची, सोनवार, 13 जून 2022, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी, विक्रम संवत- 2079 वर्ष-08 अंक-60 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये

रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित

रांची में स्थिति सामान्य, 6 थानों से धारा 144 हटायी गयी, सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था

अब तक 25 प्राथमिकियां दर्ज

- 22 नामदर्ज व 100 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज
- संवेदनशील जगहों व हर चौक-चौराहों पर कड़ी नजर
- आईआरबी, एसटीएफ, एटीएस व अन्य जवान तैनात

- रांची शहर में 3,500 से अधिक जवान किये गये तैनात
- दोषियों की शिनाख्त करने में जुटी एसआईटी की टीम
- पुलिस विभाग की अलग-अलग टीम छानबीन में जुटी

नवाप्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में 10 जून को उपद्रव के बाद बाद स्थिति तेजी से सामान्य हो रही है, जिसके बाद शहर के 12 में से 6 थानों में से धारा 144 हटा दिया गया है, जबकि मामले राज्य सरकार की ओर से उच्चस्तरीय जांच समिति ने छानबीन शुरू कर दी है। वहीं झारखंड पुलिस की ओर से गठित एसआईटी की टीम भी मामले के तहत तक पहुंचने में जुटी है।

रांची के उपायुक्त छवि रंजन ने बताया कि रांची के 12 थाना क्षेत्रों में धारा 144 लागू की गयी थी, लेकिन स्थिति में सुधार को देखते हुए कोतवाली, लोअर बाजार, हिन्दपीढ़ी, डेली मार्केट, चुटिया और डोरंडा थाना क्षेत्र से निषेधाज्ञा हटा दी गयी है। इसके अलावा लोगों को परेशानी ना हो और आवश्यक सामानों की लोग खरीदारी कर सके, इसके लिए धारा 144 लागू रहने वाले क्षेत्रों में भी आवश्यक छूट दी गयी है।

दोषी बरतशे नहीं जायेंगे : एसएसपी

इस मौके पर रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार झा ने बताया कि 10 जून को रांची में उपद्रव की घटना के बाद जिले में 25 प्राथमिकियां दर्ज की गयी हैं, जिनमें 22 लोगों को नामजद और सैकड़ों अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उन्होंने कहा कि हिंसक घटना के दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। एसआईटी गठित की गयी है, तकनीकी टीम भी साक्ष्य जुटा रही है, दोषियों के खिलाफ हर हाल में कठोर कार्रवाई होगी। लेकिन उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि इस पूरे प्रकरण में किसी भी बेगुनाह को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल शहर में 3500 से अधिक फोर्स तैनात है। बाहर से भी फोर्स मंगाये गये हैं, ताकि शहर में किसी भी तरीके से उपद्रवियों से निपटा जा सके। एटीएस, आईआरबी, एसटीएफ जवानों और अन्य बलों की तैनाती की गयी है।

बेथुआडहरी : लोकल ट्रेन पर पथराव

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के बेथुआडहरी रेलवे स्टेशन पर रविवार शाम लोगों के एक समूह ने एक लोकल ट्रेन पर हमला बोल दिया। बताया जा रहा है कि हमले में ट्रेन को काफी नुकसान पहुंचा है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमला करने वाला समूह भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी का विरोध कर रहा था। पूर्वी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एकलव्य चक्रवर्ती ने बताया कि लोगों की अनियंत्रित भीड़ ने ट्रेन पर पथराव किया। कुछ ही लोग घायल हुए थे। अभी वहां कोई ट्रेन नहीं चल रही है, हम राज्य सरकार की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर दी और जब पुलिस ने उनका पीछा किया, तो उनमें से कुछ ने स्टेशन में प्रवेश कर लिया



और एक प्लेटफॉर्म से रवाना हो रही ट्रेन पर पथराव किया। उन्होंने कहा कि हमले के कारण लालगोला लाइन पर ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

मौसम

मई महीने में हर दिन तापमान 40 डिग्री से ऊपर

दिल्ली से अधिक गर्म रहे देश के 26 शहर

नयी दिल्ली : इस साल जैसी गर्मी कभी नहीं पड़ी...आज हर शख्स की जुबान से यही सुनने को मिल रहा है। गर्मी के कारण आम जनजीवन में बुरा प्रभाव पड़ा है। दिल्ली-एनसीआर समेत पूर्वी और उत्तर भारत में रेकोर्ड तोड़ गर्मी पड़ी है। कर्नाटक और तमिलनाडु में अभी भी मॉनसून रुका हुआ है और मध्य, उत्तर, पश्चिमी भारत अप्रैल के पहले सप्ताह से ही भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। राजधानी दिल्ली के लोगों को भी गर्मी ने खुब झुलसाना है, मगर देश के 26 से अधिक शहरों में दिल्ली से ज्यादा तापमान रहा है। इन शहरों में बाड़मेर, अकोला,जैसलमेर, झांसी जैसे 26 ऐसे स्टेशन हैं, जहां पर तापमान 40 डिग्री के ऊपर हो रहा। महाराष्ट्र में अकोला, राजस्थान में बाड़मेर, जैसलमेर और कोटा में मई में हर दिन तापमान 40 डिग्री के पार रहा। इसी तरह बीकानेर (राजस्थान) में 30 दिनों और चुरू (राजस्थान), झांसी (यूपी) और तेलंगाना के रामुगुंडम में 29 दिनों तक 40 से अधिक तापमान दर्ज किया गया। ये आंकड़े अमेरिकी सरकार के राष्ट्रीय जलवायु डेटा केंद्र (एनसीडीसी) से जुटाए गए हैं। एनसीडीसी दुनिया भर के स्टेशनों से एकत्रित मौसम डेटा का दुनिया का सबसे बड़ा संग्रह है।



डालटनगंज समेत 14 शहरों का तापमान 40 पार

देश के 101 स्टेशनों में अध्ययन करने पर पता चला कि 14 स्टेशन ऐसे हैं, जहां मई में 90 प्रतिशत से अधिक दिनों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री को पार कर गया। इनमें पहले बताये गये स्टेशनों के अलावा राजस्थान में गंगानगर, जयपुर और जोधपुर, मध्य प्रदेश में गुना और ग्वालियर और हरियाणा में हिसार शामिल हैं। फिर आठ स्टेशन ऐसे हैं, जहां महीने के कम से कम 80 प्रतिशत दिनों में तापमान 40 डिग्री को पार कर गया। इनमें से तीन -सागर, भोपाल और सतना - मध्य प्रदेश में हैं, जबकि गुजरात, झारखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान और तेलंगाना प्रत्येक में एक ऐसा स्टेशन है- राजकोट, डालटनगंज, गोंदिया, अजमेर और निजामाबाद।

इन 33 शहरों के तापमान भी रहे 40 पार

ऐसे शहर जहां पर तापमान कम से कम 70 प्रतिशत दिनों के लिए 40 डिग्री को पार कर गया, उनमें अमृतसर, वाराणसी, झारसुगुडा और संबलपुर, भाऊनगर (गुजरात) और सफ्दरजंग हैं। 101 शहरों में से 33 में मई में कम से कम 50 प्रतिशत दिनों में तापमान 40 डिग्री के पार देखा। इस सूची के प्रमुख शहरों में - ओडिशा में संबलपुर, मध्य प्रदेश में होशंगाबाद, राजस्थान में उदयपुर, महाराष्ट्र में औरंगाबाद और गुजरात में दीसा शामिल हैं।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए यूपीए समर्थक पार्टियों से भी बात करेगी भाजपा

नझा-राजनाथ को जिम्मेदारी

नयी दिल्ली : भाजपा ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए तैयारी तेज कर दी है। बताया जा रहा है कि भाजपा राष्ट्रपति पद के उभयपक्ष उम्मीदवार के चयन के लिए एनडीए के साथियों से बात करेगी। इसके अलावा भाजपा ने यूपीए समर्थित पार्टियों और निर्दलीयों से भी बात करेगी। इसके लिए पार्टी ने जिम्मेदारियों भी तय कर दी हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को यह जिम्मा सौंपा गया है।

भाजपा ने एक बयान में कहा कि दोनों वरिष्ठ नेता सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी यूपीए के घटक दलों के अलावा अन्य राजनीतिक दलों के साथ-साथ निर्दलीय सदस्यों से भी बात करेंगे। पार्टी ने कहा कि वे जल्द ही इन परामर्शों का आयोजन शुरू करेंगे। विपक्षी दलों ने 2017 यानी पिछले राष्ट्रपति चुनावों के दौरान भाजपा पर अंतिम समय में उनसे संपर्क



संजय सिंह ने शरद पवार से मुलाकात की

इस बीच आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने आगामी राष्ट्रपति चुनाव पर चर्चा के लिए रविवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। यह बैठक इसलिए अहम है, क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले पवार ही थे, जिन्होंने आप और कांग्रेस से भाजपा का मुकाबला करने के लिए दिल्ली में एकराय बनाने का आग्रह किया था। हालांकि, यह बात नहीं बन पाई थी। दिल्ली और पंजाब समेत कई राज्यों में आप और कांग्रेस एक-दूसरे के विरोधी हैं।

करने का आरोप लगाया था, क्योंकि भाजपा ने पहले ही ने मीरा कुमार को समर्थन देकर रामनाथ कोविंद के नाम पर मुहर चुनाव लड़ा था, जिन्हें हार का लगा दी थी। इसके बाद कोविंद

और इधर...

टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी की बैठक में शामिल होगी शिवसेना

मुंबई : शिवसेना प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य संजय राऊत ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से राष्ट्रपति चुनाव के संबंध में बुलाई गई 15 जून की बैठक में शिवसेना का कोई न कोई प्रमुख नेता हिस्सा लेगा। इस बैठक का निमंत्रण ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री को दिया है। मगर मुख्यमंत्री बैठक में मौजूद नहीं रहेंगे। राऊत ने रविवार को पत्रकारों से कहा कि कल सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति चुनाव को लेकर शरद पवार समेत विपक्ष के नेता से संपर्क किया था। इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक पत्र लिखकर बैठक के लिए शिवसेना सहित गैरभाजपा दलों के नेताओं तथा मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया है। यह निमंत्रण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को भी आया है, लेकिन मुख्यमंत्री पहले से ही तय कार्यक्रम की वजह से बैठक में नहीं जा सकेंगे, शिवसेना का एक प्रतिनिधि बैठक में मौजूद रहेगा।



रांची में इंटरनेट सेवा बहाल, शहर में धारा 144 जारी रांची। झारखंड की राजधानी रांची में करीब 36 घंटे बाद रविवार सुबह इंटरनेट सेवा एक बार फिर से शुरू कर दी गयी है। अब इंटरनेट सेवा पुनर्बहाल होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। हालांकि अभी रांची में अगले आदेश तक धारा 144 लागू है। सोमवार को दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान खुलने की उम्मीद है। हालांकि रविवार को शहर के अधिकांश बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और दुकानें बंद रहती हैं। लेकिन रविवार से धीरे-धीरे स्थिति सामान्य होने लगी। हालांकि सामाहिक अवकाश होने के कारण सड़कों पर कम भीड़ नजर आयी। रांची में पहली बार इंटरनेट की सेवा बंद की गयी थी। शहर में शुक्रवार की रात सात बजे से इंटरनेट सेवा बंद कर दी गयी थी, क्योंकि उपद्रवियों की पुलिस के साथ झड़प और फायरिंग के बाद कई फेक वीडियो के जरिये माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की जा रही थी। पुलिस सोशल मीडिया पर भी नजर बनाये हुए है और इसके माध्यम से दुष्प्रचार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गयी है।

मेन रोड में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात

इधर, शुक्रवार को मेन रोड में डेली मार्केट के निकट उपद्रव की घटना के बाद सुरक्षाबलों की ओर से पूरी तरह से सतर्कता बरती रही है। सुजाता चौक से अल्ट्रा एक्का चौक तक बैरिकेटींग कर हर आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस-प्रशासन की ओर से अपील की जा रही है कि बड़ी जरूरत पड़ने या स्वास्थ्य कारणों के लिए लोग अपनी घरों से निकले। मेन रोड से सटे हिन्दपीढ़ी इलाके में भी भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किये गये हैं।

दो सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित

उपद्रव की घटना को लेकर लोअर बाजार, हिन्दपीढ़ी और डेली मार्केट थाना क्षेत्र में 20 से ज्यादा लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। वहीं मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित दो सदस्यीय जांच समिति ने भी जांच शुरू कर दी गयी है। समिति को एक सप्ताह के अंदर सरकार को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। बिहार के मंत्री नितिन नदीन पर हमले मामले में भी अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। 10 जून को रांची के डेली मार्केट के पास उपद्रवियों ने उनकी गाड़ी पर हमला बोल दिया था, जिसके बाद किसी तरह से उनकी जान बच पायी थी।

निषेधाज्ञा का असर ग्रामीण इलाकों में भी

राजधानी रांची में धारा 144 लागू होने का असर ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिल रहा है। शहर बंद रहने के कारण ग्रामीण इलाकों में भी कारोबार प्रभावित हुआ है और वाहनों का परिचालन सामान्य दिनों की अपेक्षा काफी कम रही। सुरक्षा के दृष्टिकोण से मेन रोड इलाके में रविवार को भी दुकानें बंद रही। अल्ट्रा एक्का चौक से सुजाता चौक तक बैरिकेटींग होने के कारण भी रविवार को भी दुकानें बंद नहीं। इस इलाके में वाहनों का परिचालन भी बाधित रहा।



पुलिस ने शांत भंग करने वालों के मंसूबे पर पानी फेरा : रामेश्वर

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : झारखंड के वित एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा है कि पुलिस-प्रशासन की तत्परता ने सद्भावना, भाईचारागी एवं शांति भंग करने वाले उपद्रवियों के नापाक मंसूबे को विफल कर दिया गया। राज्य सरकार विधि व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और इस दिशा में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

दरअसल, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रामेश्वर उरांव रविवार को मांडर उप चुनाव के लिए प्रचार के सिलसिले में पहले मांडर के कई



क्षेत्रों का दौरा किया फिर अपने विधानसभा क्षेत्र लोहरदगा पहुंचे। उरांव लोहरदगा में प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से बात कर रहे थे। उरांव ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार अच्छा

काम कर रही है। पुलिस-प्रशासन में समन्वय है। उन्होंने कहा कि रांची में उपद्रव की घटना की जांच के लिए मुख्यमंत्री ने दो सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।

एक सवाल के जवाब में आईपीएस अधिकारी रहे डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि अगर बाहर से आकर कोई लोगों को गुमराह करने की कोशिश करता है, तो गुमराह होने की जरूरत नहीं है।

अमन, शांति, सद्भावना की बात होनी चाहिए। ऐसी घटनाओं के कारण व्यवसाय पर कुप्रभाव पड़ता है। हम सभी को सोचना होगा कि इस तरह की घटना ना हो और ना होने दें। अगर कोई गड़बड़ी फैलाते है, तो पुलिस को सूचना दी जानी चाहिए, ताकि अगर किसी की गलत मंशा है, तो वह सफल ना हो। उन्होंने कहा पुलिस प्रशासन पर और जिला प्रशासन पर लोगों को भरोसा रखना चाहिए और अगर कोई बात हो तो तुरंत सूचना देनी चाहिए। डॉ. उरांव ने राज्यवासियों से शांति, सद्भावना, अमन, भाईचारागी बनाये रखने की अपील की।

सुबोधकांत व रामेश्वर ने मांडर उपचुनाव में झोंकी ताकत

►समर्थकों के साथ कर रहे कैा

वरिष्ठ संवाददाता

रांची : मांडर उपचुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, चुनावी रण के महारथी अपने-अपने समर्थकों के चुनाव मैदान में पहुंचने लगे हैं। विगत कुछ चुनावों की तरह ही इस बार भी मांडर का चुनाव दो दलों के बीच सिमट कर रह गया है। जहां एक ओर कांग्रेस के पक्ष में मतदाता धुवीकृत होते दिख रहे हैं वहीं भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी इस उपचुनाव के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

दल बल के साथ रामेश्वर मांडर में कर रहे कैप

विगत दो-तीन दिनों से प्रदेश वित्तमंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। रामेश्वर के साथ प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक कुमार दुबे, शिवशंकर उरांव, किशोर नाथ शाहदेव, डॉ.



राजेश गुप्ता मांडर में चुनाव को लेकर जार-शोर से मेहनत कर रहे हैं। डॉ. उरांव के बारे में दुबे ने बताया कि रविवार को उन्होंने क्षेत्र में कई बैठकें की है। दुबे ने बताया कि देव कुमार धान को लेकर भारतीय जनता पार्टी के लोग यह प्रचार कर रहे हैं कि वे चुनाव को त्रिकोणीय बना रहे हैं। ऐसी कोई बात नहीं है। इस बार भी आमने-सामने की लड़ाई है। एक ओर साम्प्रदायिक शक्ति भाजपा की टिकट पर गंगोत्री चुनाव लड़ रही हैं तो दूसरी ओर देश की संविधाना की रक्षा करने वाली पार्टी कांग्रेस की



टिकट पर शिल्पी चुनाव मैदान में हैं। यह चुनाव कांग्रेस जीतेगी।

सुबोध कांत सहाय भी पहुंचे मांडर

मांडर उप चुनाव को लेकर प्रचार करने के लिए पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय भी रविवार को क्षेत्र का दौरा किया। सुबोध कांत सहाय के बारे में बताया गया है कि वे गैर आदिवासी क्षेत्रों में दौरा कर रहे हैं। पार्टी सूत्रों की माने तो बहुत जल्द कांग्रेस के अन्य बड़े नेता भी क्षेत्र का दौरा करने वाले हैं।

बाल मजदूरी रोकने के लिए सबके प्रयास की जरूरत: दीपक गुप्ता



नवप्रदेश संवाददाता

रांची : रांची विवि एनएसएस स्वयंसेवक सह समाजसेवी दीपक गुप्ता के द्वारा चटकपुर पंचायत के पतरा गोंदा बस्ती में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर वर्ष 2022 की थीम सामाजिक सुरक्षा के तहत बाल मजदूरी का अंत पर एक संगोष्ठी आयोजित कर बाल मजदूरी को रोकने को लेकर किस प्रकार मजदूरी करने से रोका जाये। बच्चों को शिक्षा का अधिकार दिलायी जाये, बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने और आगे बढ़ाने के लिए जागरूक आदि विषयों पर गहन चर्चा की गयी। सभी ने मिल कर एक सुर में कहा, बाल मजदूरी रोकने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की

जरूरत है। सभी मिलकर प्रयास करेंगे तभी बच्चों के बचपन को बचाया जा सकता है। समाज के हर तबके को बच्चों के बचपन को बचाने के लिए प्रयास करना हम सभी का दायित्व है। एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में करीब हर 10 बच्चों से एक बच्चा बाल मजदूरी का शिकार है। मौके पर बच्चों की शोषण से बचाने व बाल श्रम से मुक्त रखने को लेकर शपथ ली गयी। साथ ही साथ ही समाजसेवी के द्वारा बच्चों के लिए फ्री कोचिंग की शुरुआत की गयी। कार्यक्रम में मुख्य रुप से चटकपुर वार्ड संख्या 03 वार्ड सदस्य नमीता देवी, अंगनबाड़ी सेविका सुमन देवी, सीमा देवी, अमिता देवी, प्रकाश लोहरा, नमन आदि उपस्थित थे।

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : उदयपुर चिंतन शिविर उद्घोषणा को लेकर देशभर के साथ साथ झारखंड के सभी जिलों में भी नव संकल्प कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज लोहरदगा में भी कांग्रेस की ओर से एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में वित्तमंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में लोहरदगा जिला संयोजक व पूर्व विधायक काली चरण मुण्डा, प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दुबे, लाल किशोरनाथ शाहदेव और बीस सूत्री उपाध्यक्ष साबिर अहमद खान भी उपस्थित थे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि संगठन का विस्तार और संगठन को आमजनों तक पहुंचाने के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, हमारी मजबूती का का तभी अर्थ निकलेगा, जब हम लोगों को पार्टी से जोड़ेंगे। 2024 में जब मत निकलेगा और हम सबसे आगे रहेंगे, तभी हमारी मजबूती समझी जाएगी। बुध, पंचायत, प्रखंड व जिला हमारी



पार्टी के चार पहीये हैं और जब ये चारों पहिए मजबूत होंगे तो संगठन की सशक्त होगा।रामेश्वर उरांव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिला और प्रखंडों में मासिक बैठक होनी चाहिए, ताकि जरूरतमंदों की समस्याओं का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि गौरव यात्रा और भारत जोड़ो कार्यक्रम में हम एक पंचायत से दूसरे पंचायत में इंडा लेकर गांधीजी के भजन को गाते हुए गांव-गांव जाएंगे। उन्होंने कहा कि लोहरदगा में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने में और जनता की मूलभूत जरूरतों के जो भी

काम हुए, उसमें स्व. शिव प्रसाद साहू, बलदेव साहू और वर्तमान में सांसद धीरज प्रसाद साहू तथा साहू परिवार को योगदान रहा है। डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से हमें पूर्ण बहुमत मिला, लेकिन भाजपा सरकार को अस्थिर करने की कोशिश में लगी रहती है। लेकिन कभी भी सफल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी देशभर में बढ़ी है। देश की अर्थव्यवस्था कमजोर हुई है, तो इसके लिए सीधे तौर पर भाजपा जिम्मेदार है।

कार्यशाला में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष साबिर खान,

उपद्रवियों को बचा रही है राज्य सरकार : मेयर

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री सह रांची की मेयर आशा लकड़ा ने शुक्रवार को मेन रोड में हुए उपद्रव और पथराव की निंदा की है। उन्होंने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में भी उपद्रवियों ने इसी प्रकार की घटना को अंजाम दिया तो वहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपद्रवियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की। लेकिन हेमंत सोरेन की सरकार उपद्रवियों को बचाने का काम कर रही है। बिहार के मंत्री नितिन नवीन पर जानलेवा हमला किया गया। पत्थरबाजी से कई निर्दोष राहगीर घायल हुए। दर्जनों वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया। एसएसपी सहित कई पुलिसकर्मी भी पत्थरबाजी की घटना में घायल हुए।

मेन रोड की दुकानों में लगे सीसीटीवी में भी उपद्रवियों के चेहरे कैद हुए होंगे। फिर भी अब तक



पुलिस ने किसी उपद्रवी को गिरफ्तार नहीं किया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी घटना की जांच के लिए मुख्यमंत्री ने एसआईटी का गठन कर दिया और जांच के नाम पर एक सप्ताह का समय दे दिया। जब उपद्रवियों के साक्ष्य मौजूद हैं। इस घटना से पूर्व आइबी द्वारा राज्य पुलिस को की गई अलर्ट की गई जानकारी भी है तो सांच को आंच कैसा।

एक नजर

शिल्पी नेहा व बंधु तिर्की क्षेत्र में कर रहे जनसंपर्क

रांची : मांडर विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार शिल्पी नेहा तिर्की पिता बंधु तिर्की के साथ मांडर क्षेत्र में जनसंपर्क चला रही हैं। सुबह छह बजे के करीब दोनों बनहौर स्थित आवास से निकल जाते हैं। इसके बाद विधानसभा क्षेत्र के लोगों से मिलने का सिलसिला शुरू हो जाता है। दोनों नेता छंटे-छंटे नुक्कड़ सभा, जनसर्क और व्यक्तिगत तौर पर वोटरों से मिलने को अधिक महत्व दे रहे हैं। इसके अलावा मांडर विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव में शिल्पी नेहा तिर्की के समर्थन में कांग्रेस के नेता जगह जगह चुनावी सभा कर रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय और विधायक राजेश कच्छप ने आज विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में ग्रामीणों से जनसर्क के कांग्रेस के लिए वोट मांगे। उनके साथ सुनील उरांव, मो तनवीर आलम सहित अन्य नेता भी मौजूद रहे।

रांची में प्रमुख व उप प्रमुख का चुनाव 16 से

रांची : राजधानी रांची में जिला परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव 16 जून से 22 जून तक करा लिया जाएगा। इसकी तैयारी शुरू कर दी गयी है। इसके बाद प्रखंडों में प्रमुख और उप प्रमुख का चुनाव होगा। इसके लिए अलग-अलग प्रखंडों में समय निर्धारित किया गया है। सबसे पहले प्रमुख का वयन किया जाएगा। इसके बाद उप प्रमुख के लिए मतदान होगा। प्रमुख और उप प्रमुख के वयन के लिए प्रखंड के सभी वयनित पंचायत समिति के सदस्य मतदान करेंगे। इस चुनाव के लिए सभी संबंधित प्रखंड कार्यालयों में बैठक होगी। चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने के लिए तय समयानुसार सुबह 10 बजे प्रखंड कार्यालय में बैठक आयोजित की जाएगी। 10.36 बजे से 11 बजे तक सभी पंचायत समिति सदस्यों के लिए शपथ ग्रहण का आयोजन किया जाएगा। 11 बजे से 11.30 तक नामांकन की प्रक्रिया होगी, 11.45 तक स्कूटीनी, 12.15 तक नाम वापसी, 12.30 से 1.00 बजे तक मतदान 1.15 तक मतगणना, 1.30 बजे तक परिणाम की घोषणा तथा अपराह्न दो बजे तक प्रमुख का शपथ ग्रहण कराया जाएगा। उप प्रमुख का चुनाव प्रमुख के शपथ ग्रहण के बाद होगा। उप प्रमुख के लिए 3.30 बजे से चार बजे तक नामांकन का समय निर्धारित किया गया है। चार बजे से 4.15 तक स्कूटीनी और 4.45 बजे तक नाम वापसी का समय निर्धारित किया गया है। शाम पांच बजे से 5.45 तक मतदान और छह बजे परिणाम की घोषणा की जाएगी। 6.15 तक प्रखंड के उप प्रमुख का शपथ ग्रहण कराया जाएगा।

जैक सचिव ने राज्य के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को लिखा पत्र

रांची : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के सचिव महीप कुमार सिंह ने रविवार को राज्य के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र लिखा है। यह पत्र उन्होंने कक्षा आठ, नौ एवं 11 की द्वितीय सावधिक (टर्म-दो) परीक्षा 2022 के आयोजन एवं मूल्यांकन के संबंध में लिखा है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि कक्षा आठ, नौ एवं 11 की द्वितीय सावधिक (टर्म-दो) परीक्षा 28 जून, 15 जून तथा 16 जून से पूर्व निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर होनी है। इसके लिए आवश्यक तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। कक्षा आठ की सादी उत्तरपुस्तिका सभी बीआरसी को मुद्रक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही लिखा है कि कक्षा नौ की प्रश्न-सह- उत्तरपुस्तिका गोपनीय मुद्रक द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। कक्षा-11 की सादी उत्तरपुस्तिका सभी परीक्षा केंद्रों को उपलब्ध करायी जा रही है। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि गोपनीय संरक्षण द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले गोपनीय सामग्री (प्रश्नपत्र आदि) का संधारण निर्धारित व्रजगृह में किया जाएगा। परीक्षा के बाद व्यवहत उत्तरपुस्तिकाओं को सीलबन्द कर विधायार एवं केन्द्रवार संधारण उसी दिन निर्धारित व्रजगृह में किया जाएगा। इसके अलावा कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए हैं।

चाई सुष्टा बार ने चाईबासा में अपना आउटलेट खोला

रांची : चाय सुष्ठु बार, वैशिवक चाय ब्रांड ने खपरसई, टाटा रोड, चाईबासा, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड - 833201 में अपने आउटलेट का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए आप सभी लोगों को सुबह 11 बजे से चाय और कॉफी परोसना शुरू किया गया, यह कार्यक्रम देर शाम तक चलता रहा और सीएसबी कर्मचारी पूरे दिन बिना ब्रेक के चाय और कॉफी परोसते रहे। चाय और कॉफी के स्वाद से स्थानीय ग्राहक खुश थे। उन्हें आउटलेट का डिस्टिक्ट बीआईएस की काफी पसंद आया। इस आउटलेट का मुख्य आकर्षण इसकी ग्रैफिटी थी, जिसे खुबसूरती से बनाया गया था। चाई सुष्ठु बार के चायबासा फ्रैंचाइज आउटलेट के मालिक प्रतीक ने लॉन्चिंग डे पर कहा, यह सब इसलिए संभव हुआ, क्योंकि लोगों में ब्रांड के प्रति प्यार और यहां मिलने वाली चाय की अद्भुत गुणवत्ता थी, जिससे लोगों की खुशी का कोई ठिकाना नहीं था। चाय के चाहने वालों के अद्भुत आशीर्वाद ने हमारे दिलों में एक प्यारी जगह छेड़ दी है, चाय लवर्स ने गर्मजोशी और चमचमाती मुस्कराहट के साथ स्टोर का स्वागत किया। चिलचिलाती गर्मी को देखते हुए ब्रांड ने गर्मी से राहत देने के लिए कुछ गर्मियों के विशेष पेय जैसे लस्सी और मोजिटो की नई वैरायटी भी पेश की है। कंपनी प्रतिदिन 3 लाख से अधिक कुल्हड़ का उपयोग करती है और 1500 से अधिक कुम्हार परिवारों की मदद करती है। यह कमजोर वर्गों पर विशेष जोर देने के साथ समाज के विविध वर्ग के 500 से अधिक लोगों को भी रोजगार देता है। ब्रांड की चाय को पूरे भारत में 300 से अधिक आउटलेट के साथ 150 से अधिक शहरों में सें की जाती है। इसके अलावा दुबई, ओमान और नेपाल सहित में भी हमारी चाय का स्वाद लिया जा रहा है। चाय सुष्ठु बार के संस्थापक अनुभव दुबे ने कार्यक्रम में कहा, हम अपनी कुल्हड़ चाय के बाट में प्रचार करने और लोगों को इन्हें विश्व स्तर पर आनाने और कुल्हड़ के माध्यम से भारत की मिट्टी की सुगंध का स्वाद चखने के मिशन पर हैं।

रांची में बवाल मांडर चुनाव को प्रभावित करने की साजिश : धान

रांची : रांची के महात्मा गांधी मार्ग (मेन रोड) के हनुमान मंदिर के पास हुए बवाल की मांडर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय एवं एआईएमआईएम के समर्थित उम्मीदवार देव कुमार धान ने निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह मांडर विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव को प्रभावित करने कीएक साजिश है। उन्होंने रविवार को कहा कि ऐसी घटना नहीं घटनी चाहिए थी। इस घटना में पुलिस की ओर से बड़ी चूक हुई है। घटना रांची के मेन रोड में हुई है और घटना से पूर्व बड़ी संख्या में जुलूस निकाली गई। इस जुलूस की जानकारी पुलिस प्रशासन को नहीं थी। उन्होंने कहा कि अगर इस जुलूस की जानकारी पुलिस प्रशासन के खुफिया तंत्र को होती तो यह बड़ी घटना नहीं होती और रांची अशांत नहीं होती। धान ने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने रांची वासियों से अपील की कि इस घटना को नजरअंदाज कर भाईबारा का माहौल फिर से कायम करें।

आज ईडी कार्यालय का घेराव नहीं, जिला मुख्यालयों में धरना

रांची : अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के निदेशानुसार सोमवार को राष्ट्पायी कार्यक्रम के तहत प्रवर्तन निदेशालय मुख्यालय का घेराव प्रदर्शन कार्यक्रम, जो रांची में होना सुनिश्चित हुआ था, परिस्थितिजन्य कार्यक्रम के स्वरूप में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के निर्देश पर परिवर्तन किया गया है। उक्त बातें झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कही। श्री प्रसाद ने बताया कि केन्द्र सरकार के इशारे पर राहुल गांधी के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा पक्षपातपूर्ण कार्रवाई किए जाने के खिलाफ देश के सभी प्रदेशों में सोमवार को राष्ट्पायी

कार्यक्रम के तहत प्रवर्तन निदेशालय मुख्यालय में घेराव प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराना है। झारखण्ड में अब यह कार्यक्रम राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर जिलाध्यक्षों के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन एवं संबधित जिला के उपायुक्त के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। मुख्य धरना कार्यक्रम झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, कांग्रेस भवन, श्रद्धानंद पथ, रांची में प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर के नेतृत्व में कल 13 जून 2022 को पूर्वाह्न 10.30 बजे से सम्पन्न होगा।

कार्यक्रम का स्वरूप जरूर बदला है, परन्तु हमारा विरोध उतना ही मुखर होगा, क्योंकि यह सत्य की लड़ाई है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गाँधी, राहुल गाँधी और हमारे नेतृत्व का इरादा बड़ा स्पष्ट है। इरादा स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित करने का है कि नेशनल हेराल्ड, जो कांग्रेस पार्टी की विरासत का प्रतीक है, उसके मूल्य हमेशा जीवित रहे और हमारे आदर्शों एवं सिद्धांतों को व्यक्ति करने में नेशनल हेराल्ड हमारी आज्ञा बना रहे। सत्य की हमेशा विजय हुई है और इस बार भी राहुल गाँधी और कांग्रेस नेतृत्व इस अग्नि परीक्षा से ओजस्वी होकर उभरेगे।

राज्य में 15 जून को मौनसून के दस्तक देने की संभावना

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : झारखंड के लोगों को तीन दिनों बाद गर्मी से पूरी तरह राहत मिल जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार 15 जून से झारखंड में मानसून दस्तक देने की संभावना जतायी जा रही है। इस दिन से बारिश शुरू होने वाली है। गर्मी से परेशान हर कोई लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा कर रहा है, लेकिन अब मौसम विभाग ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि झारखंड के रांची समेत सभी जिलों में 15 जून से मानसून की बारिश होने लगेगी। मानसून को लेकर मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने पूर्वानुमान जारी किया है। इस पूर्वानुमान में बताया गया है कि हीट वेव का असर



अब खत्म होने वाला है। लोगों को इससे राहत मिलने वाली है। झारखंड के उत्तर पूर्वी जिलों के अलावा मध्य हिस्से अर्थात

रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो और खूंटी जिले में आंशिक बादल छाए रहने से दोपहर बाद राहत मिलने की संभावना है।

रांची हिंसा : पुलिस ने बताया, यूपी से आये थे 12 लोग

नवप्रदेश सवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में 10 जून को अचानक भड़की हिंसक घटना के पीछे गहरी साजिश की आशंका जतायी जा रही है। रांची पुलिस को प्रारंभिक जांच में जो जानकारी मिली है, इस उपद्रव के पीछे सुनियोजित साजिश थी और घटना से 24 घंटे पहले ही हिंसा की इबारत लिख दी गयी थी।

यूपी के सहारनपुर दंगे मास्टरमाइंड ने रची थी साजिश

पुलिस को प्रारंभिक छानबीन में यह जानकारी मिली है कि राजधानी रांची के हिन्दपीढ़ी इलाके में पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश से आये सदिग्ध लोग ठहरे थे। जानकारी मिली है कि यूपी के सहारनपुर दंगे के मास्टरमाइंड ने रांची में उपद्रव की साजिश रची थी। उसके निर्देश पर कई लोग पिछले एक सप्ताह से रांची आकर रूके थे, ये हिन्दपीढ़ी में धर्म विशेष के लोगों को उपद्रव के लिए तैयार कर रहे थे। यही कारण है कि जिस दिन हिंसा भड़की, उस भीड़ में अधिकांश कम उम्र के किशोर और युवा ही आगे थे और पुलिस पर पथराव कर रहे थे। पुलिस की छानबीन में यह बात सामने आयी है कि भीड़ में जो सबसे ज्यादा उपद्रव में सक्रिय थे, वे अपने चेहरे को काले कपड़े से ढके थे और उनके हाथों में काला झंडा था और कुछ लोग काले चश्मे भी पहने हुए थे। यह भी सूचना मिली है कि उपद्रव में शामिल दर्जनों लोग रांची के एक पड़ोस



के जिले से पहुंचे थे।

मोबाइल नंबर ट्रेस कर उपद्रवियों की पहचान की कोशिश

पुलिस अब इस बात की छानबीन में जुटी है कि भीड़ में शामिल लोग कहां से आये थे और वे लगातार किन्से बातचीत कर रहे थे, किन्-किन लोगों से संपर्क में थे। इसे लेकर मोबाइल नंबर ट्रेस कर और तकनीकी आधार पर पुलिस छानबीन में जुटी है।

पीएफआई समर्थकों की भूमिका संदेह

पुलिस को इस घटना के पीछे झारखंड में प्रतिबंधित पोगुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की पॉलिटिकल विंग एसडीएफआई पर भी शक

जाहिर की जा रही है। पीएफआई पर कुछ साल पहले संताल परगना इलाके में घटना की अंजाम देने का आरोप लगा था।

इबादत स्थल पर कहां से आये इतने पत्थर

पुलिस इस बात की भी छानबीन में जुटी है कि हिंसक प्रदर्शन और पत्थरबाजी के दौरान इबादत स्थल में इतनी संख्या में छोटे-बड़े पत्थर कहां से पहुंचे। ऐसी आशंका जाहिर की जा रही है कि पूरी प्लानिंग के बाद इस घटना को अंजाम दिया गया।

घटना से मिले बड़ी संख्या में खोखे

10 जून को डेली मार्केट थाना के निकट

रांची के गुनाहगार कौन, पुलिस इन पर कब करेगी कार्रवाई ?

रांची : शुक्रवार को उपद्रव की घटना के बाद से राजधानी अशांत है। इस बवाल की घटना के बाद पुलिस द्वारा कई लोगों को हिरासत में लेने की बात कही जा रही हैं,

लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी है। 10 जून को राजधानी रांची के मेन रोड और खासकर डेली मार्केट थाना के निकट उपद्रव की घटना को लेकर कई वीडियो सामने आये हैं, उन सारे चेहरे को चिह्नित किया जाएगा, वे सभी चेहरा यहीं के थे, या फिर किसी बाहरी तत्वों का हाथ है, इसकी जानकारी हासिल की जाएगी।

सदिग्ध चेहरों की भूमिका सामने आ रही है।

वीडियो फुटेज के आधार पर दोषियों को किया जाएगा चिह्नित

रांची के ग्रामीण पुलिस अधीक्षक नौशाद आलम ने बताया कि वीडियो फुटेज में जो चेहरे सामने आये हैं, उन सारे चेहरे को चिह्नित किया जाएगा, वे सभी चेहरा यहीं के थे, या फिर किसी बाहरी तत्वों का हाथ है, इसकी जानकारी हासिल की जाएगी।

उपद्रव के बाद फायरिंग भी हुई थी। बताया गया है कि पुलिस के अलावा उपद्रवियों की ओर से भी फायरिंग की गयी। घटना के दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में लोगों को मौके से खोखे मिले। वहीं एक खोखा अब भी बिजली पोल में फंसा हुआ नजर आ रहा है।

1967 में हुए बड़े दंगे में भी धार्मिक

स्थल को निशाना नहीं बनाया गया था

रांची में 1967 में भी बड़ा दंगा हुआ था, लेकिन उस दंगे में भी किसी धार्मिक स्थल को निशाना नहीं बनाया गया था। यह पहली बार हुआ

है, जब भीड़ ने दो धार्मिक स्थल को निशाना बनाया और पवित्र स्थल पर भी पथराव किया।

यूपी के सहारनपुर दंगे

मास्टरमाइंड ने रची थी साजिश

पुलिस को प्रारंभिक छानबीन में यह जानकारी मिली है कि राजधानी रांची के हिन्दपीढ़ी इलाके में पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश से आये सदिग्ध लोग ठहरे थे। जानकारी मिली है कि यूपी के सहारनपुर दंगे के मास्टरमाइंड ने रांची में उपद्रव की साजिश रची थी। उसके निर्देश पर कई लोग पिछले एक सप्ताह से रांची आकर रूके थे,

ये हिन्दपीढ़ी में धर्म विशेष के लोगों को उपद्रव के लिए तैयार कर रहे थे। यही कारण है कि जिस

दिन हिंसा भड़की, उस भीड़ में अधिकांश कम उम्र के किशोर और युवा ही आगे थे और पुलिस पर पथराव कर रहे थे। पुलिस की छानबीन में यह बात सामने आयी है कि भीड़ में जो सबसे ज्यादा उपद्रव में सक्रिय थे, वे अपने चेहरे को काले कपड़े से ढके थे और उनके हाथों में काला झंडा था और कुछ लोग काले चश्मे भी पहने हुए थे। यह भी सूचना मिली है कि उपद्रव में शामिल दर्जनों लोग रांची के एक पड़ोस के जिले से पहुंचे थे।

रिम्स प्रबंधन ने हिंसा में घायलों को लेकर किया अफवाहों का खंडन

दो की मौत इलाज के क्रम में उसी दिन हुई, सात अन्य इलाजरत

नवप्रदेश सवाददाता

रांची : रांची में 10 जून को हिंसक घटना के बाद कई तरह की अफवाह और अटकलों पर विराम लगाते हुए रिम्स प्रबंधन द्वारा सारी स्थिति स्पष्ट की गयी है। रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक हिरन बिरूआ ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि शुक्रवार को उपद्रव की घटना के बाद चोटिल 13 लोगों को रिम्स में भर्ती कराया गया था, जिनका तत्काल इलाज शुरू किया गया। इममें से दो लोगों मोहम्मद मुर्दूसिर उर्फ कैफ़ी और साहिल की उसी दिन इलाज के क्रम में मौत हो गयी। प्रशासन के निर्देश पर मेडिकल बोर्ड गठित कर मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में उसी रात दोनों के शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड की निगरानी में किया गया और फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आयी है।

डॉ हिरन बिरूआ ने बताया कि हिंसक झड़प में चोटिल 13 लोगों को रिम्स लाया गया था, जिसमें 3 को उसी दिन इमरजेंसी विभाग में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गयी। वहीं



दो की मौत के बाद अब एक अन्य घायल की स्थिति गंभीर बनी हुई है। रिम्स अधीक्षक ने बताया कि गंभीर रूप से घायल नदीम के गले में गोली लगी है, जिस वजह से सिर में खून का धक्का जमा हुआ है। उसका इलाज न्यू ट्रामा सेंटर के न्यूरो वार्ड में चल रहा है।

वहीं इस घटना में घायल सात अन्य लोगों का रिम्स में इलाज चल रहा है, इनमें 25वर्षीय मोहम्मद अफसर, 29वर्षीय सरफराज, 24 वर्षीय मोहम्मद तबारक, 17वर्षीय मोहम्मद उस्मान, 28 वर्षीय साबिर अंसारी, 26 वर्षीय शाहबाज का नाम शामिल है। सभी घायलों को सर्जरी आईसीयू से डेंगू के आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट किया

गया है। जबकि जैप-3 के 35वर्षीय जवान अखिलेश कुमार के पांव में गोली लगी थी, उसे निकाल दिया गया है और पैर के फ्रैक्चर का इलाज कर दिया है। फिलहाल अखिलेश रिम्स के ऑर्थोपिडिक विभाग में भर्ती है।

रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि मोहम्मद अफसर के बाएं जांच में छर्प फंसा हुआ है, जबकि मोहम्मद सरफराज के कमर के पीछे के हिस्से में छर्प फंसा हुआ है। रेडियो ओपेक्स जांच से इसकी पुष्टि हुई है। वहीं एक व्यक्ति को 6 गोली लगने की बात का खंडन करते हुए उन्होंने बताया कि यह सरासर अफवाह है,इसमें कोई भी सच्चाई नहीं है।

नवप्रदेश सवाददाता

रांची : राजधानी रांची में शुक्रवार को भड़की हिंसा के बाद शहर की स्थिति सामान्य हो रही है। सामान्य होते हालात को देखते हुए आज तनाव और निषेधाज्ञा के बीच इंटरनेट सेवा बहाल कर दी गयी। तनाव के महेनजर रांची और आसपास के इलाकों में अर्द्धसैनिक बलों एवं पुलिस की तैनाती पहले की तरह है। झारखंड पुलिस प्रवक्ता एवं महानिरीक्षक (कार्रवाई) ए वी होमकर ने बताया कि राजधानी रांची समेत पूरे प्रदेश में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। पिछले 24 घंटों में कहीं से भी किसी अग्रिय घटना की सूचना नहीं है। जिसे देखते हुए आज तड़के पांच बजे से राजधानी रांची में इंटरनेट सेवा बहाल कर दी गयी है। ए वी होमकर ने बताया कि रांची के कई संवेदनशील इलाकों में अब भी स्थिति तनावपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि रांची के पड़ोसी रामगढ़ जिले में कल लागू की गयी निषेधाज्ञा भी एतिहात के तौर पर आज भी जारी है। ए वी होमकर ने बताया कि रांची में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद सैकड़ों लोगों की भीड़ द्वारा किये गये पथराव, तोड़फोड़ और हिंसा के सिलसिले में कार्रवाई में तेजी लाते हुए पुलिस कार्रवाई शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर रखी जा रही है विशेष नजर दर्जनभर लोग पुलिस हिरासत में, पिछले 24 घंटे में कोई अग्रिय घटना की सूचना नहीं ए वी होमकर ने बताया कि फिलहाल पुछताछ के लिए दर्जन भर लोगों को हिरासत में लिया गया है। इसके



अलावा शनिवार को हिरासत में लिये गये आधा दर्जन लोगों को पुछताछ के बाद छोड़ दिया गया है। होमकर ने बताया कि उपद्रवियों की हिंसा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए की गयी पुलिस की कार्रवाई में 11 पुलिसकर्मियों समेत दो दर्जन लोग शुक्रवार को रांची में घायल हो गये थे। इनमें से शुक्रवार देर रात्रि दो लोगों की मौत हो गयी थी जिससे पूरे शहर में तनाव व्याप्त हो गया था। जिसके चलते रांची में शनिवार को 12 थाना क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी थी। जबकि पूरे रांची जिले में शुक्रवार शाम ही इंटरनेट सेवा बंद कर दी गयी थी।

मेन रोड में दुकानें रहीं बंद

सुरक्षा के दृष्टिकोण से मेन रोड इलाके में रविवार को भी दुकानें बंद रहीं। अलबर्ट एक्का चौक से सुजाता चौक तक बैरिकेटिंग

रविवार की छुट्टी के कारण भी शहर में दिखा बंद जैसा रहा नजारा

राजधानी रांची स्थिति समान्य हो गया जिसके बाद निषेधाज्ञा में छूट दे दी गई। शुक्रवार के हंगामे के बाद शनिवार को बाजार बंद और आज रविवार की छुट्टी के कारण पूरा शहर शांत नजर आया। आज सुबह से अलबर्ट एक्का चौक से लेकर सुजाता चौक तक कई बार निवमित रूप से फ्लैग मार्च किया गया। पुलिस पदाधिकारियों ने यह संदेश दिया है कि पत्थरबाज और हंगामा करनेवाले लोगों को बख्शा नहीं जायेगा। लोगों में कॉफिडेंस बिल्डिंग के लिए फ्लैग मार्च की जा रही है और अफवाहों पर ध्यान नहीं दिये जाने की अपील की गयी है। निषेधाज्ञा वाले थाना क्षेत्रों के थाना प्रभारियों को सोशल मीडिया पर नजर रखने की हिदायतें दी गयी हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि सभी थाना प्रभारियों के जरिये सेंट्रल मॉनटरिंग यूनिट के माध्यम से इंस्टाग्राम, फेसबुक, ब्लट्सएण् और ट्वीटर पर नजर रखी जा रही है। जिला प्रशासन के तमाम प्रयास के बाद भी डोरंडा, अरगोड़ा, जगरनाथपुर, चुटिया, हिंदपीढ़ी, बरियातू समेत अन्य इलाकों में दुकान कम खुले हैं। लोगों में अभी भी कंप्यूजन है कि आखिर कहीं निकलने पर पुलिस कार्रवाई तो नहीं करेगी

होने के कारण आज भी दुकानें बंद हैं। इस इलाके में वाहनों का परिचालन भी बाधित है।

अल्बर्ट एक्का चौक से सुजाता चौक तक पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

रांची : रांची का मेन रोड बीते 35 घंटों से अधिक समय तक दहशत में रहा। तीसरे दिन रविवार को हालात तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में हैं। पुलिस अधिकारियों ने आज अलबर्ट एक्का चौक से सुजाता चौक तक फ्लैग मार्च किया। उपद्रव और हिंसक घटनाओं शामिल कई लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर पुछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारी गप्त करते रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारी लगातार हालात पर नजर रखे हुए हैं।

मेन रोड में हुए उपद्रव को लेकर अब तक तीन थानों में नौ एफआईआर दर्ज की गयी है। डेली मार्केट में तीन, लोअर बाजार में पांच और हिदपीढ़ी में एक प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस



उपद्रव के दौरान हुए नुकसान का आकलन कर रही है। आरोपितों की पहचान के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा

है। ड्रेन कैमरे से पहचान की जा रही है। कुछ लोगों को हिरासत में

भी लिया गया है। कुछ लोगों की पुलिस ने पहचान की है, जिनकी

गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी की जा रही है।

बिहार के मंत्री नितिन नवीन ने दर्ज कराई प्राथमिकी

बिहार के मंत्री नितिन नवीन ने भी अज्ञात आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवायी है। डेली मार्केट थाना में दर्ज प्राथमिकी में नितिन नवीन ने गाड़ी में तोड़फोड़, हमला करने जैसे आरोप में प्राथमिकी दर्ज करवायी है। शुक्रवार को नितिन नवीन रांची के मेन रोड में भीड़ में फंस गये थे। वे रिशतेदार के यहां शादी में शामिल होने रांची आये थे। इसी बीच उपद्रवियों ने उनके वाहन पर भी हमला किया। गाड़ी पर ईंट-पत्थर फेंके रौंड से हमले किये गये थे। कार के शीशे टूट गए। उन्होंने गाड़ी की सीट के नीचे छिपकर किसी तरह जान बवाई।

अब तक का घटनाक्रम

भाजपा की निलंबित नेता नूपुर शर्मा और निष्कासित नेता नवीन ज़िंदल के बयान के विरोध में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद मेन रोड र्थित एकरा मस्जिद के पास से एमजी रोड पर जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल लोगों ने सड़क पर नूपुर शर्मा का पुतला जलाया। इसके बाद उपद्रवियों ने बवाल शुरू कर दिया। जगह-जगह पत्थरबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते, इस उपद्रव ने भीषण रूप धारण कर लिया। देर शाम तक हंगामा चलता रहा। इसके बाद प्रशासन की ओर से रांची मेन रोड सहित शहर के 12 थाना क्षेत्रों में धारा 144 लगा दिया गया। उपद्रव के विरोध में शहर के विभिन्न संगठनों ने शनिवार को रांची बंद किया गया। इसके बाद शुक्रवार शाम सात बजे प्रशासन ने रांची में इंटरनेट सेवा पर अस्थाई रोक लगा दी थी। रविवार सुबह बार बजे इंटरनेट सेवा चालू हुई।

एक नजर

घायल युवक की रिम्स से फरार होने की कोशिश

रांची : भाजपा की निलंबित नेता नूपुर शर्मा के बयान के विरोध में राजधानी रांची में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद एकरा मस्जिद के पास से एमजी रोड पर जुलूस के दौरान भड़की हिंसा में गोली लगने से घायल युवक ने रिम्स में इलाज अधूरा छोड़कर फरार होने की कोशिश की लेकिन उसे रिम्स स्थित इमरजेंसी के पास से पकड़ लिया गया। इस्लाम नगर निवासी साबिर अंसारी मेन रोड में उपद्रव के दौरान हुई फायरिंग में घायल हुआ था। बताया जाता है कि मेन रोड में उपद्रव के दौरान साबिर के पीठ में गोली लगी थी। उसे इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया था। रिम्स में डॉ विनीत के देखरेख में साबिर का इलाज चल रहा था। वह रविवार सुबह किसी को बिना कुछ बताए निकल गया था।

बिहार के मंत्री पर हमला करने के मामले में एक गिरफ्तार

रांची : रांची के मेन रोड में उपद्रव के दौरान बिहार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन पर हमला मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के पहाड़ी टोला निवासी मो अनीश (19) को गिरफ्तार किया है। वह इस्तेयाज का पुत्र है। इंस्पेक्टर संजय कुमार ने बताया कि एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। उससे पुछताछ की जा रही है। उल्लेखनीय है कि बीते दस जून को जुमे की नमाज के बाद रांची में उपद्रव हुआ था। इस दौरान मेन रोड में बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन की गाड़ी पर उपद्रवियों ने हमला किया था। मंत्री निजी कार्यक्रम में भाग लेने रांची आए थे इसी दौरान मेन रोड में उनकी गाड़ी पर हमला हुआ और कार का शीशा तोड़ दिया गया था।

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में दहशत के बाद रविवार सुबह जिंदगी पटरी पर लौट आई। स्थिति के नियंत्रण में आते ही सुबह चार बजे 33 घंटे बाद इंटरनेट सेवा बहाल कर दी गई। हालांकि धारा 144 लागू है। उपद्रवियों की पहचान की कर कार्रवाई की जा रही है। लोअर बाजार थाना, हिंदपीढ़ी थाना और डेली मार्केट थाना में 20 से ज्यादा लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। मेनरोड से हिंदपीढ़ी के बीच अभी भी पुलिस बल तैनात है।

सुबह लोग रोजमर्रा के कामकाज के लिए सड़कों पर दिखे। सड़क के किनारे सब्जी और मछली की दुकानें खुलीं। हालांकि प्रशासन सजग है। चौक-चौराहों पर पुलिस तैनात है। संवेदशील इलाकों में अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है।



पुलिस और प्रशासन के कदमों को स्थानीय लोगों की भी मदद मिल रही है। शहर में अभी भी निषेधाज्ञा लागू है।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए चर्च

कमेटी ने रविवारीय प्रार्थना गिरजाघरों में नहीं करने का निर्णय लिया है। श्रद्धालु घर से ही रविवारीय आराधना करेंगे। स्थानीय प्रबुद्ध लोग भी हर हाल में शांति बहाल

करने के लिए प्रयासरत हैं। उल्लेखनीय है कि नूपुर शर्मा के बयान से आक्रोशित मुस्लिम समाज के लोगों ने शुक्रवार को हिंसक प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ

उपद्रवियों ने पथराव किया। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी। इस दौरान उपद्रवियों ने भी गोलीबारी की इस गोलीबारी में कम से कम दो लोगों की मौत हुई है और एक दर्जन से अधिक घायल हुए हैं। इसके बाद शुक्रवार शाम प्रशासन ने रांची में इंटरनेट सेवा पर अस्थाई रोक लगा दी थी।

इस बीच पुलिस ने नौ प्राथमिकी दर्ज की हैं। इनमें 20 लोगों को नामजद करते हुए 10 हजार से अधिक अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घटना की जांच के लिए दो सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। कमेटी में आपदा प्रबंधन सचिव अमिताभ कोशल और एडीजी अभियान संजय आनंद लाटकर शामिल हैं। कमेटी सप्ताह में रिपोर्ट देगी।

संपादकीय

बच्चे, मोबाइल व इंटरनेट

पबजी खेलने से मना करने पर एक किशोर ने अपनी मां को गोली मार दी। यह घटना लखनऊ की है, लेकिन सदमें में पूरा देश है। यहां सबसे बड़ा सवाल यह उठा कि बच्चों को मोबाइल और इंटरनेट से अब दूर कैसे किया जाये। वर्तमान में इस देश में मोबाइल और इंटरनेट की जबरजस्त मार्केटिंग हो रही है। स्कूली शिक्षा, कॉचिंग, मार्केटिंग, फूड मार्केट, खेल, मनोरंजन, सिनेमा सब इंटरनेट पर आ गया है। बच्चे के स्कूल जाते ही उसके हाथ में मोबाइल देना जरूरी हो गया है, क्योंकि मोबाइल शिक्षा दी जा रही है। कोरोनाकाल में ऑनलाइन शिक्षा ने अपनी पैठ बना ली। ऑनलाइन शिक्षा के लिए इंटरनेट जरूरी है। और जैसे ही मोबाइल, लैपटॉप या डेस्कटॉप में इंटरनेट आ जाता है, पूरी जायज-नाजायज दुनिया बच्चों के सामने आ जाती है। वह मोबाइल पर खेलता है, सिनेमा देखता है, दुनिया की सैर करता है, आदि सबकुछ। यह स्थापित सत्य है कि विज्ञान के किसी भी उत्पाद का यदि सदुपयोग किया जाये तो वह वरदान होता है और यदि दुरुपयोग किया जाये तो वह अभिषाप होता है। मोबाइल के सदुपयोग-दुरुपयोग की चर्चा तो कई जगहों पर बार-बार होती है, परंतु लखनऊ की घटना पर सवाल यह खड़ा होता है कि दोष मोबाइल को दिया जाये, अभिभावक को दिया जाये या फिर आज की ऑनलाइन होती जा रही व्यवस्था को? आखिर बच्चों की मोबाइल से रक्षा कैसे की जाये? आज घर के हालात भी कम चिंताजनक नहीं हैं। मां, बाप, बच्चे सभी एक साथ अपने-अपने मोबाइल पर व्यस्त रहते हैं। यहां पहले तो मां ही बच्चे को मोबाइल देकर शांति करा देती है। मां घर का काम कर रही होती है तो बच्चे को मोबाइल दे देती है। वो रोता तो मोबाइल, चिल्लाता है तो मोबाइल, हमारी बातों में डिस्टर्ब न करे तो मोबाइल, किचन में जरूरी काम है तो मोबाइल। ये मोबाइल ही तो है, जिसने हमारी हर परेशानी का हल दिया और हमारा और बच्चे दोनों का साथ दिया। फिर ऑनलाइन क्लास का जमाना आ गया। अब बच्चों का स्कूल भी तो मोबाइल ही हो गया। एक तरफ मोबाइल अपग्रेड हो रहा था, दूसरी तरफ बच्चा भी बढ़ती उम्र में अपग्रेड हो रहा था। कभी एक्सट्रा क्लास तो कभी होम वर्क तो कभी प्रोजेक्ट बनाने के नाम पर मोबाइल पर गेम चल रहा होता। मम्मी ने देखा भी तो क्या? डांट पड़ेगी, रख देंगे। फिर कुछ समय बाद मोबाइल पास ही होगा। घर के बाहर तो हम अपने बच्चे को खूब संधालकर चलते हैं लेकिन अब बच्चा हमारी आंखों के सामने इंटरनेट की दुनिया में जमकर सर्फ कर रहा है। यहां उन्हें चलत-सही समझाने वाला भी कोई नहीं। एक ओर मोबाइल हमारा घर संधाल रहा है, तो दूसरी ओर हम कहते हैं कि मोबाइल सब बर्बाद कर रहा है। बहरहाल, अब समय आ गया है कि मोबाइल व इंटरनेट के साथ बच्चों के भविष्य की एक दिशा तय की जाये, क्यों उसी पर देश का भविष्य है।

सामयिकी

धर्मध्वजी पहल क्यों न करें

डा. वेदप्रताप वैदिक

पैगंबर मोहम्मद के बारे में दिये गये बयानों के बारे में जो गलतफहमियां फैल गयी हैं, उन्हें अभी तक शांत हो जाना चाहिए था, क्योंकि भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि उन बयानों से उसका कुछ लेना-देना नहीं है और भाजपा ने अपने बयानबाजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी कर दी है। लेकिन देश के दर्जनों शहरों में जिस तरह के हिंसक प्रदर्शन हुए हैं, तोड़-फोड़ और मारपीट की गयी है, वह किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं है। जिन मुसलमान भाइयों ने गुस्से में आकर ये सब कारनामे किए हैं, उनसे अगर आप पूछें कि किस बयान की किस बात पर आप नाराज हैं तो उन्हें उसका कुछ पता ही नहीं है। शुक्रवार की नमाज के बाद किसी ने उन्हें उकसा दिया और वे अपनी जान हथेली पर रखकर सड़कों पर उतर आए, मानो इस्लाम खतरे में है। पैगंबर मोहम्मद की भूमिका अब से डेढ़ हजार साल पुरानी अरब दुनिया में इतनी क्रांतिकारी रही है कि उसे कोई किसी टीवी विवाद में क्या एक वाक्य के द्वारा मिटा सकता है? टीवी चैनलों पर चल रही बहसों में आजकल ऐसे लोगों को बुलाया जाता है, जो तथ्यशील और तर्कशील होने की बजाय एक-दूसरे पर गोले बरसाने में माहिर होते हैं। ऐसी बहसें लोगों का बरबस ध्यान खींचती हैं। उससे चैनलों की टीआरपी गरमाती है। ज्ञानवापी की उस बहस में भी यही हुआ। एक वक्ता ने शिवलिंगों का मजाक उड़ाया तो दूसरे वक्ता ने पैगंबर के बारे में वह कहकर अपना जवाब दे दिया, जो कुछ अरबी हदीसों में भी लिखा है। दोनों कथन टाले जा सकते थे लेकिन उन्हें कुछ लोगों ने तिल का ताड़ बना दिया। हालांकि उन टिप्पणियों से न तो शिवजी का बाल बांका होता है और न ही पैगंबर साहब की शान में कोई गुस्ताखी होती है लेकिन यह भी सत्य है कि जो इनके भक्त लोग हैं, उन्हें बहुत बुरा लगता है। इस बुरा लगने को भी टाला जाए तो जरूर टाला जाना चाहिए। जो लोग भी ऐसे आपतिजनक और दर्दनाक बयान देते हैं, उन्हें तथ्यों और तर्कों के आधार पर गलत सिद्ध किया जाना चाहिए, जैसा कि महर्षि दयानंद ने अपने युग प्रवर्तक ग्रंथ सत्यार्थप्रकाश में किया है। उन्होंने अंतिम 4 अध्याय अन्य धर्मों की समीक्षा में लिखे हैं तो पिछले 10 अध्यायों में उन्होंने अपने पिताजी के पौराणिक हिंदू धर्म के परखचे उड़ा दिए हैं। यही काम यूरोप और अरब देशों के कुछ साहसी विद्वानों ने अपने-अपने धर्मों और उनके मूल धर्मग्रंथों के साथ भी किया है। अभी डेढ़-दो सौ साल पहले तक भारत में सभी धर्मों के विद्वान खुले-आम शास्त्रार्थ किया करते थे। उनमें मैंने मार-पीट, पथरबाजी या गाली-गलौज की बात कभी नहीं सुनी। इसी का नतीजा है कि दुनिया में आज भारत अपने दंग का अकेला देश है, जहां दुनिया के सभी प्रमुख धर्मों का सह-अस्तित्व बना हुआ है। क्या ही अच्छा हो कि हिंदुओं और मुसलमानों के कुछ प्रमुख धर्मग्वजी मिलकर पहल करें और दोनों पक्षों से मर्यादा-पालन का आह्व करें।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं।)



सेबल दासगुप्ता

कुछ जानकारों का मानना है कि व्लीदिमीर पुतिन को चीन सत्ता में बनाए रखना चाहता है। अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देशों की ओर से सोशल मीडिया जैसे माध्यमों के जरिये चीन की घरेलू राजनीति में दखल देने को लेकर भी शी चिनफिंग सरकार आशंकित है। 2011 में अरब देशों में हुए आंदोलन को वह भूला नहीं है, जिसमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों ने बड़ी भूमिका निभाई थी।

अभिव्यक्ति

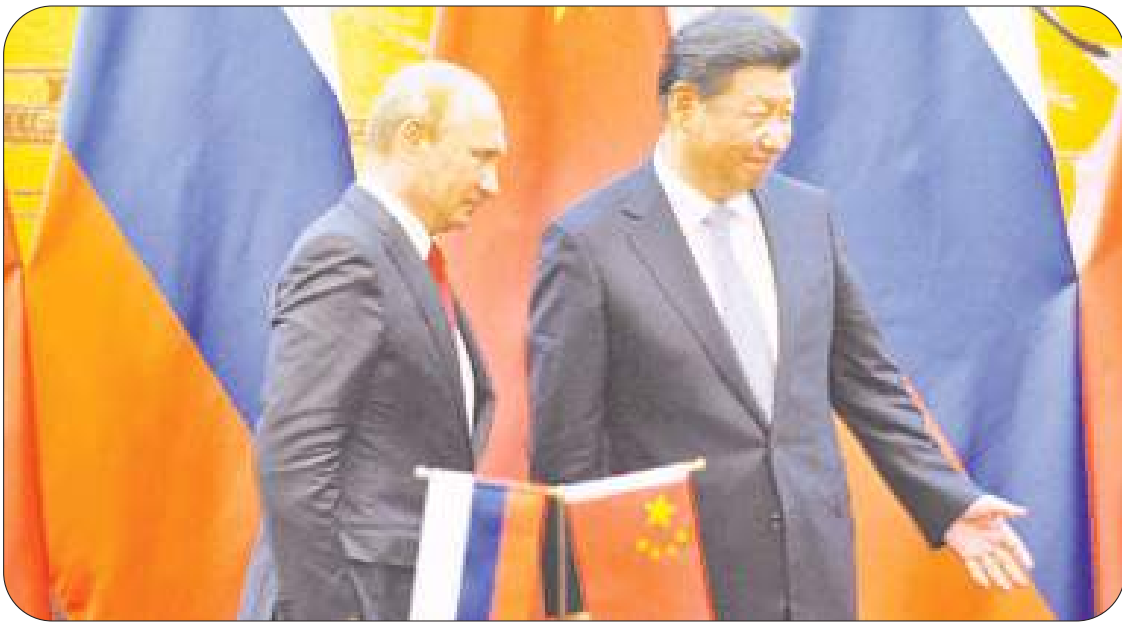
रूस, चीन की नजदीकियों पर नजर रखे भारत

यूक्रेन पर हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर अप्रत्याशित आर्थिक पाबंदियां लगाई हैं तो चीन, उसके रक्षक के रूप में सामने आया है। रूस और चीन की इस दोस्ती का दुनिया पर क्या असर होगा, यह देखना अभी बाकी है। क्या इससे वैश्विक स्तर पर सत्ता संतुलन प्रभावित होगा? इसका भारत और चीन के रिश्तों पर क्या प्रभाव पड़ेगा जिनके बीच सीमा विवाद चल रहा है? रूस पर अमेरिका, पश्चिमी यूरोपीय देशों, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने मिलकर प्रतिबंध लगाए हैं। रूस और चीन दोनों को ही एक हद तक लगता है कि इन देशों के बीच यह एका अधिक दिनों तक नहीं चलेगा। खासतौर पर जब सर्दियां शुरू होंगी तो यूरोप के लिए रूस की एनर्जी सप्लाई के बगैर गुजारा करना मुमकिन नहीं होगा।

चीन का गेमप्लान

इस मामले पर चीन की पैनी नजर है, जिसका ताड़वान और दक्षिण चीन सागर को लेकर अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देशों से उसी तरह का टकराव हो सकता है, जैसा अभी रूस का यूक्रेन को लेकर चल रहा है। चाइनीज मीडिया में ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि रूस पर प्रतिबंधों की कुछ पश्चिमी देश समीक्षा कर रहे हैं। कुछ का यह भी मानना है कि प्रतिबंधों पर सख्ती से अमल नहीं हो रहा है और यूरोप एनर्जी सप्लाई के लिए अमेरिका के भरोसे नहीं रहना चाहेगा। यह बात और है कि अमेरिका की एनर्जी कंपनियां यूरोप से बिजनेस मिलने के इंतजार में हैं। भारत की दिलचस्पी यह जानने में है कि रूस किस हद तक चीन पर खरीदारी के लिए आश्रित होगा। एक तरफ चीन, रूस से तेल और गैस खरीद रहा है, वहीं दूसरी ओर वह रूस के लिए कुछ इलेक्ट्रॉनिक गुद्स और रिप्लेसमेंट टेकनॉलजी का बड़ा सप्लायर बन सकता है क्योंकि पश्चिमी देश रूस के साथ व्यापार को रोकने के लिए सारे रास्ते बंद करने में जुटे हैं।

रूस पहले चीन के साथ बराबर का साझेदार था, लेकिन क्या आज के हालात में वह पिछू बनता जा रहा है? में यह बात यूं ही नहीं कह रहा। इस तरह के संकेत मिल रहे हैं कि रूस, चीन को खुश करने की कोशिश कर रहा है। मिसाल के लिए, चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएव (इफ्फ़) की वर्षों तक अनदेखी



करने के बाद रूस ने अब इसे अपने यहां इजाजत दे दी है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के पिछले महीने के एक बयान से भी इस ट्रेंड की पुष्टि हुई। उन्होंने कहा, आज पश्चिम तानाशाह बन गया है, ऐसे में चीन के साथ हमारे आर्थिक रिस्ते तेजी से मजबूत होंगे। चीन की इफॉर्मेशन और कम्युनिकेशन टेकनॉलजी कहीं से पश्चिमी देशों से कमतर नहीं है। इस क्षेत्र में डील हुई तो रूस और चीन दोनों को फायदा होगा।

कुछ जानकारों का मानना है कि व्लीदिमीर पुतिन को चीन सत्ता में बनाए रखना चाहता है। अमेरिका और दूसरे पश्चिमी देशों की ओर से सोशल मीडिया जैसे माध्यमों के जरिये चीन की घरेलू राजनीति में दखल देने को लेकर भी शी चिनफिंग सरकार आशंकित है। 2011 में अरब देशों में हुए आंदोलन को वह भूला नहीं है, जिसमें सोशल मीडिया प्लैटफ़ॉर्मों ने बड़ी भूमिका निभाई थी। शिव नाडर यूनिवर्सिटी के जॉनन जैकब कहते हैं, ह्ययूक्रेन क्राइसिस के दौरान रूस को जिस तरह के सहयोग-सम्मान की जरूरत है, चीन उसे लेकर बहुत संवेदनशील है। यह भी तय है कि इस सहयोग के बदले चीन पूरा राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करेगा। रूस भी उसकी बात मानने से पीछे नहीं हटेगा। भारत की फिफ़ इसी बात ने बढ़ा दी है।

भारत, रूस और चीन ब्रिक्स और न्यू डिवेलपमेंट बैंक (एनडीबी) में बराबर पार्टनर हैं, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका शामिल हैं। शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी) में भी वे बराबर के साझेदार हैं। इन मंचों पर भारत और चीन के बीच मतभेद दूर करने में रूसी प्रतिनिधिमंडलों का अहम रोल रहा है। सदस्य देशों के बीच आपसी विवादों से भी इन्हें दूर रखा गया है। अगर वे आपसी झगड़े को ऐसे मंचों पर उठाएंगे तो इन संस्थानों का वजूद मिट सकता है। यह बात खासतौर पर एससीओ पर लागू होती है, जहां चीन ने पाकिस्तान को बराबरी की हैसियत वाला सदस्य बनाने की कोशिश की।

इन संस्थानों में चीन की ओर से रूस पर मध्यस्थ ना बनने का दबाव बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, वह संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन में भी चीन का पिछलग्गू बन सकता है। अगर ऐसा हुआ तो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन का प्रभाव बहुत बढ़ जाएगा और पश्चिमी देश उस पर अंकुश नहीं लगा पाएंगे। चीन पर आर्थिक प्रतिबंध का हथियार भी नहीं चलेगा क्योंकि वह अभी भी दुनिया की हॉफ़िकट्रीक बन हुआ है। चीन और रूस

के संबंध इस दिशा में बढ़ते हैं तो इससे भारत भी पश्चिम के करीब जाने को मजबूर हो जाएगा। इससे भारत की गुटनिरपेक्षता पर असर पड़ेगा, जिसकी बदौलत वह पश्चिमी देशों से बराबरी के स्तर पर बातचीत करता आया है।

हो सकती है अनबन

लेकिन चीन और रूस के बीच भी कई मतभेद हैं। मिसाल के लिए, चीन की मुद्रा युआन का मुकाबला रूबल से हो रहा है। रूबल की वैल्यू बढ़ने के बाद रूस तेल और गैस खरीदारों से अपनी मुद्रा में भुगतान करने के लिए दबाव डाल रहा है। ऐसे में हो सकता है कि चीन भी रूस को युआन में भुगतान करने को मजबूर करे। चीन की नजर रूस के हथियार बाजारों पर भी है। इससे भी दोनों देशों में टकराव हो सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि चीन, रूस का उस हद तक समर्थन नहीं करेगा, जिससे उस पर ही पाबंदियां लगने का खतरा पैदा हो जाए। ऐसे में भारत को बदलते सूरत-ए-हाल पर नजर रखनी होगी और उसी हिसाब से अपना रुख तय करना होगा।

(लेखक ने ड्रैगन: हाउ इंडिया शूड डू बिजनेस विद चाइना नाम की किताब लिखी है)

जुमे की नमाज बहाना, मकसद देश को झुलसाना

कोई समझे या न समझे पर गुजरे शुक्रवार को भड़के दंगों की कहानी पहले ही लिखी जा चुकी थी। जुमे की नमाज का तो बहाना था। असल में इसका मकसद देश को जलाना था। ऊपरी तौर पर तो यही लगा कि पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी के विरोध और नुपूर शर्मा और नवीन ज़िंदल की गिरफ्तारी को लेकर नमाज के बाद देशभर में मुस्लिम संगठन सड़क पर उतरें हैं। मगर इसके पीछे की कहानी कुछ और ही है। इसे गंभीरता से समझने पर उपद्रवियों का खेल स्पष्ट रूप से समझ में आ रहा है। सभी दंगाइयों को एक समय और एक ही दिन कमांड मिली। यह सब किसके इशारे पर हुआ? कैसे हुआ? क्यों हुआ? अभी इसकी तस्वीर सामने आनी बाकी है। लेकिन यह सब कुछ शुक्रवार को नमाज अदा करने के बाद हुआ। एक साथ कई रायों में हुआ। इससे बहुत कुछ समझ में आता है। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में बवाल हुआ। राजस्थान के भी कई जिलों में भी प्रदर्शन किया गया। दिल्ली में जामा मस्जिद के बाहर भड़काऊ नारेबाजी और प्रदर्शन किया गया। पुलिस के अनुसार सबसे ज्यादा हिंसक प्रदर्शन झारखंड की राजधानी रांची में हुआ। कोलकाता को भी उपद्रवियों ने प्रभावित किया। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में भी दंगाइयों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रयागराज में दंगाइयों ने हिंसा की। कुछ लोगों की मौत हो गई। तमाम पुलिस अफसर जख्मी हुए। हिंदुओं के पूजास्थलों को निशाना बनाया गया। राह चलते लोगों पर नाम पड़कर हमला किया गया। बिहार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन की गाड़ी को आग के हवाले कर दिया गया। दंगाइयों ने कोलकाता से सटे हावड़ा में भाजपा के दो कार्यालयों पर पथराव किया और वहां उस समय जितने भी लोग मौजूद थे उनको पीटा। डोमजूर थाने को भी निशाना बनाया गया। इससे साबित होता है कि देश में दंगाइयों को ऑपरेट करने वाला नेटवर्क बहुत स्ट्रॉंग है। चूंकि पूरे देश के दंगाई मुसलमानों ने एक साथ जिस तरह हमला किया वह बेहद आश्चर्यचकित



करने वाला है। यहां देश के शासन-प्रशासन को इस पूरे प्रकरण से यह तो सीख मिल गई होगी कि यदि ऐसे लोगों को नियंत्रित करने के लिए शक्ति नही बढ़ाई गई तो निश्चित तौर पर देश का भविष्य संकट में हैं। अब दंगाइयों के हौसले बुलंद हैं। उनमें भय नाम की चीज नहीं है। जरा सी बात पर देश को जला देते हैं। और जिस तरह हमला करते हैं उससे एक बात तो स्पष्ट है कि इन लोगों को निश्चित तौर पर ट्रेंनिंग दी जाती है। एक आम इंसान आसानी से पत्थर व हथियार नहीं उठा सकता और जिस तरह शुक्रवार को दंगों के वीडियो और फोटो सामने आए उससे स्पष्ट है कि यह ट्रेंनिंग के बिना संभव नहीं। इससे यकीनी तौर पर कहा जा सकता है कि वह दंगे युनिवोजित थे। देश में नागरिकों के रूप में रह रहे बहुत सारे 'आतंकी' पनप रहे हैं। इससे देश की स्थिति बेहद चिंताजनक होती जा रही है। यह संकेत अच्छ नहीं है क्योंकि इसमें देश के तमाम मुसलमान युवाओं को धर्म के नाम पर भड़काया जा रहा है। हम इस तरह की बातें कस्मीर के लिए करा करते थे लेकिन अब यह खेल पूरे देश में होने लगा। अब तो पहले ज्यादा लव जिहाद व आतंकी घटनाएं

सामने आ रही हैं। देश में मुसलमानों को जितनी स्वतंत्रता से जीने की आजादी है, उतनी कहीं नहीं हैं। दरअसल हमारे देश में राजनीति किसी भी चीज पर एक्सपेरीमेंट कर सकती है। यहां छोटी सी घटना पर मुसलमानों के आका पूरी कौम को इस तरह भड़काते हैं मानो उनके साथ बड़ा अत्याचार किया जा रहा है। वह दूसरे देशों की स्थिति नही देखते। यदि पड़ोसी देश को कुछ घटनाओं को लेकर चर्चा करें तो चीन उड़गर मुस्लिमों का पिछले कई वर्षों से सुनियोजित तरीके से शोषण करता रहा है। चीन पर उड़गर मुस्लिमों के नरसंहार से लेकर जबरन मजदूरी कराने, जबरन नसबंदी कराने और महिलाओं से दुष्कर्म के आरोप हैं।

मानवाधिकार संगठनों का आरोप है कि चीन ने नजरबंदी कैपों में बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के दस लाख से भी ज्यादा उड़गर मुस्लिमों को बंदी बना रखा है। चीन सरकार के आंकड़ों के मुताबिक उड़गर मुस्लिमों के ज्यादातर इलाकों में 2015-18 के दौरान जन्म दर साठ प्रतिशत से ज्यादा गिर गई। 2019 में शिनजियांग में जन्म दर में चौबीस प्रतिशत की गिरावट आई। चीन पर 2014 से लगभग सात सौ इमाम और अन्य मुस्लिम धार्मिक नेताओं को गिरफ्तार करने का आरोप है। इनमें से 18 की हिरासत में मौत हो चुकी है। रिपोटर्स के मुताबिक चीन न केवल शिनजियांग बल्कि चीन के बाहर भी उड़गर मुस्लिमों पर नजर रखने के लिए लगातार उनकी ट्रैकिंग करता है। इतना ही नहीं चीन उड़गर मुस्लिमों को दाढ़ी कटाने के लिए भी बाध्य करता रहा है। साथ ही चीन उड़गर प्रवासियों से उनकी निजी जानकारी सौंपने को मजबूर करता रहा है और उनके परिवार को धमकियां देता रहा है। चूंकि चीन किसकी सुनता नहीं तो उस किसी का जोर नही चलता लेकिन भारत में एक बयान को बहाना बनाकर पूरे देश को झुलसाया जाता है। यदि सरकार ने ऐसी घटनाओं को लेकर कोई ठोस नीति नही बनाई तो आने वाले समय में तस्वीर और भी भयावह हो सकती है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी का राजधर्म निर्वाह



डॉ दिलीप अधिग्राही

आस्था पर प्रहार विचलित करता है। लेकिन विरोध की अभिव्यक्ति सभ्य और संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप होनी चाहिए। ज्ञानवापी सर्वे के बाद हिन्दू आस्था पर अनगिनत अमर्यादित टिप्पणी की गई। ऐसा करने वालों में सेक्जुलर सियासती के दावेदार सबसे आगे रहे। कट्टरपंथी मुस्लिम नेता और कतिपय स्वयंभू दलित चिंतक भी अपनी भंडास निकालने में पीछे नहीं दिखे। इन्होंने तथ्यविहीन कहानियों के आधार पर औरंगजेब जैसे धर्मान्ध शासक को महान साबित करने का प्रयास किया। लेकिन इनके प्रयास ऐतिहासिक प्रमाणों के सामने बीने साबित हुए। बावजूद इसके हिन्दू समाज ने कहीं भी हिंसक प्रदर्शन नहीं किया। दूसरी ओर चैनल की बहस से मात्र एक क्लिप लेकर दुनिया में भारत की छवि बिगाड़ने का अभियान चलाया गया। इस बयान के प्रति खेद व्यक्त किया गया। इसे वापस लिया गया। किन्तु हिन्दू आस्था पर प्रहार करने वालों को कोई शर्मिंदगी नहीं हुई। समाज में अराजकता फैलाने वालों के प्रति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजधर्म का निर्वाह कर रहे हैं। ऐसा

नहीं योगी आदित्यनाथ कोई नया प्रयोग कर रहे हैं। पांच वर्ष से वह इस राजधर्म पर अमल कर रहे हैं। यही कारण है कि जिस प्रदेश में सैकड़ों दंगे हुआ करते थे ,वहां पांच वर्ष में एक भी दंगा नही हुआ। कुछ समय पहले धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतारने या आवाज धीमी करने का विषय आया था। योगी आदित्यनाथ ने ऐसा करने का निर्देश सर्वप्रथम गौरक्ष पीठ और मथुरा के श्री कृष्ण धाम को दिया। योगी आदित्यनाथ सन्यासी हैं । श्री महंत हैं। धार्मिक स्थलों के प्रति उनकी आस्था सहज स्वाभाविक है। इसके बाद भी वह मुख्यमंत्री के संवैधानिक दायित्वों का निर्वाह पूरी निष्ठा व ईमानदारी से करते हैं। योगी का पहला निर्णय अपने आस्था के स्थलों के प्रति था। देखते ही देखते लाखों की संख्या में मन्दिर-मस्जिद से लाउडस्पीकर उतार लिए गए या उनकी आज परिसर तक सीमित कर ली गई। पहली बार प्रदेश की सड़कों पर धार्मिक आयोजन नहीं किए गए। लेकिन प्रदेश में ऐसी ताकतें भी है, जिन्हें शांति व्यवस्था पसन्द नहीं रही है। ऐसे लोग अवसर की तलाश में रहते हैं। नागरिकता संबंधी कानून उत्पीड़ित बंधुओं को नागरिकता प्रदान करने के लिए था, लेकिन आंदोलनजीवियों ने कहा कि इस कानून से वर्ग विशेष की नागरिकता छिन जाएगी। फिर क्या था कौआ कान ले गया कि तर्ज पर प्रदर्शन शुरू हो गए। शाहीन बाग, घंटाघर आदि इस सियासत के



स्थल बन गए। यहां महिलाओं को आगे कर-के आंदोलन चलाया जा रहा था। विवादित बयान के अराजक प्रदर्शन में बच्चों को आगे कर दिया गया। मतलब आंदोलनजीवी केवल अपनी तकनीक बदलते हैं। इसके पीछे की मानसिकता एक जैसी है। देश में अराजकता दिखा कर उसको दुनिया में प्रसारित किया

जाता है। किसानों के नाम पर चले आंदोलन का भी यही अंदाज था। ऐसे आंदोलन या प्रदर्शन सुनियोजित होते हैं। इनके संचालन का अर्थतंत्र भी चर्चा में रहता है। सरकार यदि पहले ही इस अर्थतंत्र को निगरानी में लेती तो सूत्रधार सामने आ सकते थे। उनकी असलियत सामने आ सकती। इस बार भी देखा

गया कि जुमे की नमाज के बाद गरीब बच्चे ही आगे थे। योगी आदित्यनाथ ने अराजकता के सूत्रधारों पर नकेल कसने के निर्देश दिए हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि साजिशकर्ताओं ने अपने कुत्सित उद्देश्यों के लिए किशोरवय युवाओं को सहारा बनाया। ऐसे में मुख्य साजिशकर्ताओं की पहचान

जरूरी है। इन लोगों का उद्देश्य प्रदेश के शांति सौहार्द को बिगाड़ना है। ऐसी कोशिशों को नाकाम किया जाएगा। कार्रवाई ऐसी हो जो असामाजिक तत्वों के लिए एक नजीर बने। माहौल बिगाड़ने के बारे में कोई सोच भी न सके। योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि स्थानीय स्थिति-परिस्थिति को देखते हुए अपने यथोचित निर्णय लें। प्रयागराज में वसूली की नोटिस भेजे जाने की कार्रवाई प्रारम्भ हो गई है। अन्य जनपदों में ऐसा ही करने का योगी ने निर्देश दिया। कहा कि इससे सम्बन्धित ट्रिब्यूनल है। इनके माध्यम से नियमसंगत कठोरतम कार्रवाई की जाए। अवैध कमाई समाजविरोधी कार्यों में ही खर्च होती है। ऐसे में साजिशकर्ताओं और अभियुक्तों के बैंक खातों, सम्पति आदि का पूरा विवरण एकत्रित कराया जा रहा है। शरारतपूर्ण बयान जारी करने वालों के साथ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कड़ाई की जाएगी। माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले अराजकतत्वों के साथ पूरी कठोरता बरती जाएगी। ऐसे लोगों के लिए सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक भी निर्दोष को छेड़ें नहीं और किसी भी दोषी को छोड़े नहीं। साजिशकर्ताओं और अभियुक्तों की पहचान कर उनके विरुद्ध एनएसए अथवा मैगस्टर के नियमों के तहत नियमसंगत कार्रवाई होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संक्षिप्त

105 घंटे के बाद मिला साहिल का शव

जयनगर (कोडरमा)। थाना क्षेत्र के गरचांच पेट्रोल पंप के पीछे बंद पड़े खदान में 105 घंटे के बाद 15 वर्षीय साहिल दास पिता स्वर्गीय सहदेव दास डंडाडीह का शव तैरता मिला। जब रविवार की सुबह ग्रामीण खदान पहुंचे उन लोगों ने पानी की तरह पर तैरता हुआ शव देखा हालांकि बुधवार 10:00 बजे अपने तीन साथियों के साथ स्नान करने गया था। जहां पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई थी उसी दिन चौपारण से मंगाए गए गोताखोर शव को ढूंढने में असफल हुए तब बरकझा विधायक अमित कुमार यादव पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी के सहयोग से देवघर से पनडुबी मंगाई गई। बताते चलें कि इन लोगों का भी सर्व अभियान असफल साबित हुआ परंतु सभी लोगों को वापस लौट जाने के बाद अचानक शव को सुबह में पानी में तैरता देखा गया पुलिस प्रशासन तथा ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से शव को खदान से बाहर निकाला एवं अंत्य परीक्षण के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया गया है। वहीं थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिन्हा ने बताया कि अंत्य परीक्षण के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मालूम हो कि जब तक साहिल दास का शव पत्थर खदान से बरामद नहीं हुआ था परिजनों के साथ साथ कई लोग काफी मायूस दिख रहे थे। वह जब तक साहिल दास का शव पत्थर खदान से बरामद नहीं हुआ तब तक अंचलाधिकारी ओम प्रकाश बडाइक थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिन्हा भी लगातार कैप किए हुए थे। मुखिया कौशर खान महेश शव अरमान खान बाबु खान कुंदन गुप्ता पंचायत समिति सदस्य अशोक सिंह मनीष पासवान राजकुमार पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

बाघमारा में अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा प्रखण्ड अंतगत पथलगड्ढा पंचायत के बाघमारा स्थित एक अनजान व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गया ६ ग्रामीणों ने इसकी सूचना तुरन्त चंदवारा थाना को दिया। सूचना मिलते ही चंदवारा थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर शव का जांच पड़ताल किया। एवं शव को अपने कपड़े में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। मृतक के बाए हाथ में अंजु देवी एवं पूजन प्रसाद के नाम अंकित पाया गया। खबर लिखे जाने तक शव का शिनाख्तास नही हो पाया था।

धोबी महासंघ की बैठक में लिए गए कई निर्णय

जयनगर (कोडरमा)। अखिल भारतीय धोबी महासंघ जिला इकाई कोडरमा की बैठक धोबी धर्मशाला जयनगर मे अखिल भारतीय धोबी महासंघ के जिलाध्यक्ष खगेंद्र राम की अध्यक्षता में किया गया, संचालन जिला सचिव मिथिलेश कुमार ने किया बैठक मे विगत कार्यक्रमों का कार्य रिपोर्ट खगेंद्र राम ने पेश किया जो सबों ने पास किया बैठक में समाज के छात्र-छात्राओं ने 2022 में झारखंड बोर्ड एवं जैक बोर्ड में मैट्रिक एवं इंटर में फर्स्ट डिवीजन से उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देने का फैसला लिया गया। साथ ही साथ समाज में पंचायत चुनाव में जिला परिषद सदस्य, मुखिया पंचायत समिति सदस्य को भी सम्मानित करने का फैसला लिया गया। यह सभी कार्यक्रमों को औंमि रूप देने के लिए 25 जून को धर्मशाला डुमरी तिलैया में अखिल भारतीय धोबी महासंघ की बैठक होगी।

गुमला के परमवीर अलबर्ट एक्का स्टेडियम में विशाल जनजाति सम्मेलन का आयोजन

धर्मातरित आदिवासियों का आरक्षण समाप्त करे सरकार

गुमला। जनजाति सुरक्षा मंच गुमला के बैनर तले रविवार को परमवीर अलबर्ट एक्का स्टेडियम में विशाल जनजाति सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में एक स्वर से धर्मान्तरित आदिवासियों को मिल रहे आरक्षण को समाप्त करने की मांग उठी। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री सह जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत, राष्ट्रीय सह संयोजक डा. राज किशोर हासदा, क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव, रांची जिला संयोजक मेघा उरांव, प्रांतीय सह संयोजर पिंकी खोया, मूली पड़ुहा गुमला के बेल राजबेल उरांव आदि वक्ताओं ने यह मांग रखी।

नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड के लोकप्रिय नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कार्ति उरांव ने 1968 में धर्मांतरण कर ईसाई बन चुके जनजातीय समुदाय के लोगों को अधिसूचित समुदाय से बाहर



करने के लिए संसद में एक बिल प्रस्तुत किया था। हालांकि, वे इस बिल को पास कराने में कामयाब नहीं हो पाए लेकिन लोगों का समर्थन उन्हें मिला। आज उनके द्वारा उठाई गई आवाज की गूंज फिर सुनाई दे रही है। नेताओं ने कहा कि झारखंड के महान आदिवासी नेता स्व. कार्तिक उराव ने 1968 में धर्मांतरण कर ईसाई बन चुके जनजातीय समुदाय के लोगों को अधिसूचित समुदाय

से बाहर करने के लिए संसद में एक बिल प्रस्तुत किया था। हालांकि, वे इस बिल को पास कराने में कामयाब नहीं हो पाए लेकिन लोगों का समर्थन उन्हें मिला। आज उनके द्वारा उठाई गई आवाज की गूंज फिर सुनाई दे रही है। नेताओं ने कहा कि धर्मांतरण के महान आदिवासी नेता स्व. कार्तिक उराव ने 1968 में धर्मांतरण कर ईसाई बन चुके जनजातीय समुदाय के लोगों को अधिसूचित समुदाय

हैं ताकि खुद को आदिवासी साबित कर सके, लेकिन सिर्फ त्योहार में नाच लेने भर से कोई आदिवासी नहीं हो जाएगा। किसी के अन्य धर्म स्वीकार करने का मतलब यह है कि आदिवासी परंपरा उसे पसंद नहीं है। जब भश्चता और संस्कृति से ही किसी ने नाता तोड़ लिया तो फिर उसके नाम पर अधिकार का दावा क्यों। आरक्षण उसे ही मिलना चाहिए जो आदिवासी है। धर्मांतरण कर चुके लोगों को चिह्नित कर

उन्हें दोहरे लाभ के अधिकार से वंचित किया जाना चाहिए। इसके पूर्व एक विशाल रैली निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में विभिन्न जनजातीय समुदाय यथा उरांव, मुंडा, कोरवा, चिक बड़ाईक, लोहरा आदि के महिला-पुरूष शामिल हुए। सारे लोग हाथ में तख्तायां पकड़े हुए थे, जिसमें धर्मान्तरित ईसाईयों का आरक्षण बंद करो, दोहरा आरक्षण का लाभ समाप्त हो, आदिवासी नहीं तो आरक्षण नहीं आदि वाक्य लिखे हुए थे। सम्मेलन में आप अतिथियों ने धर्म, संस्कृति और परम्परा के रक्षण करने वाले बैगा-पहाणों को सम्मानित किया। इस मौके पर मंच के जिला संयोजक जयराम इंदवार, बालकृष्ण उरांव, मन्नालाल उरांव, माधुरी भिंज,सोनामणि देवी, अंगनू उरांव, खेदू नायक, शकुंतला उरांव समेत बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर निकाला गया प्लैग मार्च



नवप्रदेश संवाददाता

जयनगर (कोडरमा)। प्रखंड के विभिन्न इलाकों में रविवार को अंचलाधिकारी ओम प्रकाश बडाइक पुलिस इंस्पेक्टर अवधेश सिंह जयनगर थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिन्हा मरकच्चो थाना प्रभारी सुमित कुमार साव के नेतृत्व में प्रखंड के विभिन्न इलाकों में विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर प्लैग मार्च निकाला गया। प्रखंड के जयनगर बाघमारा कटिया परसाबाद तेतरीन पांडू सहित प्रखंड के विभिन्न इलाकों में प्लैग मार्च निकाला गया। वही पुलिस इंस्पेक्टर आदेश सिंह ने बताया कि प्रखंड में विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर प्लैग मार्च निकाला गया है। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार का अफवाह में ना

आए। वहीं थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिन्हा ने बताया कि किसी भी गुप में गलत मैसेज ना भेजें इस पर प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि अगर किसी भी लोगों के द्वारा विधि व्यवस्था भंग किया गया तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी प्रखंड वासियों से अपील है कि सोशल मीडिया पर बिना सत्यापन के किसी भी तरह के झूठे एवं हिंसक मैसेज वह वीडियोज पोस्ट ना करें। मौके पर अंचलाधिकारी ओम प्रकाश बडाइक स्पेक्टर अवधेश सिंह जयनगर थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिन्हा मरकच्चो थाना प्रभारी सुमित कुमार साव एसआई राजेंद्र राणा शिवम कुमार सहित पुलिस एवं जैप के जवान मौजूद थे।

ब्रीफ न्यूज

पुलिस प्रशासन ने की शांति समिति की बैठक



गुमला। गुमला पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारी, पुलिस निरीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आदि ने अपने-अपने स्तर से शांति समिति की बैठक की। इसके अलावा पैदल मार्च कर सभी संप्रदाय के लोगों के साथ मिलकर आपसी सौहार्द बनाये रखने की अपील की। यहां बताते चलें कि रांची में हुई झड़प को लेकर आपसी सौहार्द बनाए रखने में जिला प्रशासन द्वारा इस कार्यक्रम को चलाया गया। जिसमें जाति धर्म को लेकर हर सम्प्रदाय के लोग शांति समिति में शामिल हुए और आपसी सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया। किसी भी अफवाहों से सावधान रहने, असामाजिक तत्वों की पहचान करते हुए पुलिस की मदद करने, अपने-अपने इलाके में शांति व्यवस्था कायम रखने आदि विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर शांति समिति के लोगों सहित अलग-अलग थाना क्षेत्रों के थाना प्रभारियों की उपस्थिति रही।

खिलाड़ियों को जिला एवं राज्य स्तर पर पहचान दिलाना हमारी पहली प्राथमिकता : श्रीकांत



चंदवारा (कोडरमा)। पुलिस लाइन चंदवारा में रविवार को चंदवारा में सुयां फुटबॉल एकेडमी का उद्घाटन मेजर विनाश टुडू के द्वारा विधिवत फीता काट कर किया गया। मौके पर चंदवारा पश्चिमी के नवनिर्वाचित मुखिया संतोष कुमार कुशवाहा, संजय भारती, दयानंद पांडे, कुंदन पासवान, संदीप कुमार, राहुल कुमार यादव, नरेश भगत, दिव्यांशु राणा, विकास कुमार, एवं एकेडमी के खिलाड़ी गन आशीष कुमार, जितेंद्र कुमार, गाविंद कुमार, संदीप कुमार, करण कुमार, प्रियंका कुमारी, ज्योति कुमारी, कविता कुमारी, कुंती कुमारी, हेमंती कुमारी, मौजूद थे। मौके पर मेजर विनाश टुडू ने कहा की इस क्षेत्र में खिलाड़ियों का इस एकेडमी के माध्यम से एक अलग पहचान होगी मुखिया संतोष कुशवाहा ने कहा की अगर खिलाड़ी कठिन परिश्रम करें तो सही लक्ष्य को पाया जा सकता है। एवं एकेडमी संचालक श्रीकांत पांडे ने कहा कि जिले में इस अकेडमी के माध्यम से जिला स्तर एवं राज्य स्तर पर पहचान दिलाना हमारी पहली प्राथमिकता होगी।

चंदवारा में निकला पलैग मार्च

चंदवारा (कोडरमा) । पुलिस अधीक्षक कोडरमा कुमार गौरव के निर्देश पर राजधानी रांची में हुई हिंसक घटना को लेकर चंदवारा थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ थाना परिसर से लेकर बजरंगबली चौक होते हुए मस्जिद गली से लेकर पुनः थाना परिसर तक प्लैग मार्च निकाला गया। साथ ही थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने सभी से शांति बनाए रखने की अपील की है। मौके पर एसएसआई अरुण गगराई सहित कई पुलिस कर्मी मौजूद थे।

जयनगर प्रखंड के विभिन्न बालू घाटों पर हो रहा अवैध बालू का उत्खनन



नवप्रदेश संवाददाता

जयनगर (कोडरमा)। प्रखंड के विभिन्न बालू घाट से बालू का अवैध खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा है। प्रखंड के दशरो खरपोका बेरोगई चेहाल तामरा डुमरी

अंबाडीह सहित अन्य नदियों से अवैध बालू का उत्खनन एवं परिवहन जोरों से चल रहा है। प्रत्येक दिन एक से डेढ़ सौ रुपया वसूली कर ट्रैक्टर में बालू लोड करवाते हैं। इन बालू घाटों से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर बालू की अवैध ढुलाई हो रही है। बताते चलें कि आधी रात में तेज गति से बालू लदे ट्रैक्टरों आवाजाही देखने को मिलती है। गौरतलब है कि प्रखंड के विभिन्न बालू घाटों पर बालू माफियाओं के द्वारा रात में ही नदी में अवैध तरीके से ट्रैक्टरों में बालू लोड किया जाता है। जिसके बाद सुबह होते ही लगभग 4:00 से 5:00 सुबह सैकड़ों की संख्या में अवैध बालू लदा ट्रैक्टरों का आवाजाही शुरू हो जाता है। लोगों ने बताया कि इन बालू घाटों पर अवैध तरीके से बालू का परिवहन एवं उत्खनन होने के कारण इन नदियों का अस्तित्व ही खतरे में होते जा रहा है। लोगों ने बताया कि इस संबंध में कई बार प्रशासन को सूचना दिया गया परंतु प्रशासन के द्वारा कभी कबार अवैध बालू के खिलाफ छापामारी अभियान चलाकर कुछ अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जप्त कर दिया जाता है उसके बाद कुछ ही दिनों के बाद बालू माफियाओं का धर खुलेआम अवैध बालू का परिवहन एवं

उत्खनन शुरू कर दिया जाता है। मालूम हो कि 1 जून को अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी के द्वारा अवैध बालू के खिलाफ छापामारी अभियान चलाकर बालू के अवैध परिवहन करते पकड़े गए थे 12 ट्रैक्टर।

मेरी आवाज सुनो कार्यक्रम का आयोजन

सतगांवा (कोडरमा)। राष्ट्रीय झारखण्ड सेवा संस्थान एवं क्राय कोलकाता के संयुक्त तत्त्वधान में रमेरी आवाज सुनार कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री वैद्यनाथ उराव, विशिष्ट अतिथि नीतू कुमारी जिप सदस्य सतगांवा, अतिथि मधुरा प्रसाद यादव भूतपूर्व मुखिया पंचायत खुड़ा, सदानंद यादव मुखिया पंचायत देहरो, विधायक प्रतिनिधि धनंजय कुमार, मनोज कुमार सचिव आर जो एस एस उपस्थित हुए और सभी अतिथि गण के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में देहरो एवं खुड़ा पंचायत के गांव के बाल मंच के बच्चों द्वारा बाल श्रम उन्मूलन के लिए पेंटिंग, गीत- संगीत, भाषण यादी प्रेरणादाई प्रस्तुति दिया गया। बाल श्रम मुक्त सतगांवा बनाने के लिए शपथ दिलाया गया और बाल मजदूरी छोड़ पढ़ाई प्रारंभ करने के लिए प्रदीप कुमार पिता सहदेव राजवंशी को सम्मानित किया। अपने सम्बोधन में श्री उरांव ने कहा कि आरजेएसएस एवं प्रशासन साथ मिलकर बाल श्रम मुक्त सतगांवा बना सकते हैं।

सिसई में निकला शांति मार्च, लोगों से अफवाह न फैलाने की अपील

प्रशासन ने कहा सोशल मीडिया पर गलत वीडियो डालने वालों पर होगी कार्रवाई

नवप्रदेश संवाददाता

सिसई । पैगम्बर मोहम्मद के खिलाफ भाजपा के केंद्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा और दिल्ली भाजपा प्रवक्ता नवीन जिन्दल के द्वारा मुस्लिम समुदाय के विरोध वेतुका बयान दिये जाने से देश में प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराने वाले मुस्लिम समुदायों के बीच रांची मे हुए उपद्रव को देखते हुए सिसई थाना परिसर में थाना प्रभारी अनिल लिंडा की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में मुस्लिम समुदाय के



प्रबुद्धजन व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस मौके पर एसडीओ रवि आनंद ने लोगों को समझाने हुए

कहा कि सिसई में भाईचारागी का इतिहास हमेशा से कायम है। इसे बरकरार रखें। इसी से समाज का

भला होगा। पुलिस इंस्पेक्टर एस एन मंडल ने बैठक में लोगों से अपील की कि अफवाह फैलाने वाले वीडियो सोशल मीडिया में झूठ का न फैलाए। इससे आपसी सौहार्द बिगडने का खतरा बना रहता है। ऐसे कार्यों से बचें। अन्यथा ऐसे लोग जेल जाएंगे। एसडीओ गुमला ने कहा कि सोशल मीडिया में अपलोड की गयी गलत वीडियो को एक दूसरे के मोबाइल मे शेयर कर समाज को भटकाने का काम ना करें। सभी समुदाय आपसी सौहार्द बनाए रखें। इसी में समाज

का भला है। बोडीओ सुनि्ला खलखो ने लोगों ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अफवाह से महील खराब होता है। सीओ अणुर्णिमा एक्का ने कहा कि आपसी भाईचारी ही समाज का मजबूत स्तम्भ है। इसे बरकरार बनाए रखें। थाना प्रभारी अनिल लिंडा ने कहा पूर्वजों से समाज के बीच शांति बनती आ रही है। भाईचारी को बिगाड़ने की कोशिश ना करें और आपस में भाईचारी के साथ रहें। शांति समिति की खत्म होते ही मुस्लिम समुदायों व जनप्रतिनियों

के साथ मिलकर एसडीओ के नेतृत्व में सिसई मुख्यालय में शांति मार्च निकाला गया। मार्च की अगुवाई थाना प्रभारी, जनप्रतिनिधियों व प्रखंड प्रशासन के लोगों ने की। इस दौरान सैकडो की संख्या में प्रखंड प्रशासन के नेतृत्व में जनप्रतिनियों ने प्लैग मार्च के माध्यम से लोगों को जागरूक करते करते हुए आपसी विवाद में न पड़ने की अपील लोगों से की। शांति मार्च सिसई ब्लॉक, मेन रोड व सिसई थाना रोड इत्यादि इलाकों में निकाला गया।



बालीडीह के कई इलाकों में बाल अधिकार संरक्षण जागरुकता अभियान चलाया गया अनुशासन के नाम पर बच्चों के साथ क्रूरता गैरकानूनी : डॉ. प्रभाकर कुमार

नवप्रदेश संवाददाता
बोकारो : बाल अधिकार कार्यकर्ता सह मनोवैज्ञानिक डॉ. प्रभाकर कुमार ने बालीडीह थानांतर्गत शिब्टुट्टां एंड मोहनपुर बस्ती में संयुक्त रूप से बच्चों संग बाल अधिकार संरक्षण जागरुकता अभियान चलाया गया। इस दौरान बच्चों के माता-पिता और आसपास के लोग भी मौजूद रहे। अभियान के दौरान मास्क वितरण भी किया गया। डॉ. प्रभाकर ने बाल अधिकारों व कानून को परिभाषित करते हुए यह बताया कि अनुशासन के नाम पर बच्चों के साथ किसी भी तरह की क्रूरता नहीं की जा सकती। किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 23 में इसका स्पष्ट उल्लेख है। डॉ. प्रभाकर ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा



यह कहती है कि बच्चों के साथ किसी भी तरह के शारीरिक दंड, मानसिक प्रताड़ना व भेदभाव को प्रतिबंधित किया गया है। इसके साथ किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 82 में भी यह परिभाषित है और ऐसे कृत्य अंजाम देने वाले व्यक्ति के

प्रति कारावास और आर्थिक दंड का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि बच्चे गलती करे तो इसके लिए उन्हें थ्यार से समझाने की जरूरत है, ना कि शारीरिक या मानसिक रूप से दंडित किया जाना। भारतीय संविधान के अनुच्छेद- 21 में भी बच्चों के

अधिकार की रक्षा एवं अनुच्छेद 21 एं में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए शिक्षा के अधिकार व गरिमा के साथ जीवन के अधिकार को शामिल किया गया है। किसी बच्चे को शारीरिक दंड देना बच्चों की स्वतंत्रता और गरिमा को ठेस पहुंचाने जैसा है।

डॉ. प्रभाकर कुमार ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि जिन बच्चों को गलती करने पर प्यार से समझाने की बजाए पीटा जाता है वे मानसिक रूप से परेशान रहते हैं। ऐसे बच्चे बिल्कुल चुप रहने लगते हैं। बच्चों को डंटने-पीटने से उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। अवसाद इतनी बढ़ जाती है कि आत्महत्या जैसी चीजों के लिये वे प्रेरित हो जाते हैं। इस दौरान बाल अधिकारों आदि से संबोधित प्रश्नों को पूछकर बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। उनके बीच स्टेशनरी सामग्री, चॉकलेट आदि वितरित किये गये। मौके पर रहलु कुमार, अभिषेक आनंद, राज कुमार महतो, महेंद्र महतो, अलकू महतो, मीरतूम महतो, सुंदे, रंजन आदि मौजूद रहे।

किस्त के भुगतान के बावजूद अधूरे हैं पीए आवास, डीडीसी ने दिया पूरा करने का निर्देश

बोकारो : उपविकास आयुक्त (डीडीसी) कीर्ति श्री जी. ने रविवार को वास प्रखंड के कुरा पंचायत के विभिन्न गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण (पीएमएवाई – आर) के तहत लॉबित आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने लाभुकों को आवास निर्माण कार्य अविलंब पूरा करने को कहा। कहा कि किस्त का भुगतान कर दिया गया है। इसके बावजूद भवन निर्माण कार्य अधूरा है। डीडीसी ने लाभुकों से बात कर आवास निर्माण कार्य नहीं करने के कारणों की भी पड़ताल की। उन्होंने आवास निर्माण कार्य अविलंब पूरा करने को कहा। कहा कि इसकी नियमित निगरानी की जाएगी। उन्होंने परियोजना पदाधिकारी, पीएमएवाई के जिला समन्वय आदि को नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया। डीडीसी ने ग्राम के कई लॉबित आवासों का निरीक्षण कर लाभुकों के साथ बात की और जरूरी दिशा-निर्देश दिया। मौके पर नोडल पदाधिकारी पंकज दुबे समेत अन्य उपस्थित थे।

भारत का अगला राष्ट्रपति मगध क्षेत्र के केन्द्र से होना चाहिये : के एन त्रिपाठी

भेदिनीनगर पलामू : चुनाव आयोग ने राष्ट्रपति चुनाव 2022 की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग की घोषणा के अनुसार राष्ट्रपति चुनाव 18 जुलाई अगला मतगणना 21 जुलाई को होगी और उसी दिन फेसला हो जाएगा कि भारत का अगला राष्ट्रपति कौन होगा। राष्ट्रपति चुनाव घोषणा के मद्देनजर मगध काउंडेसन की कार्यकारिणी समिति की आपात बैठक हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं इटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मगध काउण्डेशन के संस्थापक अध्यक्ष के एन त्रिपाठी ने कहा कि भारत का अगला राष्ट्रपति मगध क्षेत्र के केन्द्र से होना चाहिये। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब जब देश का नेतृत्व मगध क्षेत्र के व्यक्ति के अधीन रहा है, देश का रुतबा वैश्विक स्तर पर ज़बूद हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश का प्रधानमंत्री पद सीाराष्ट्र क्षेत्र के अधीन है। अतः समय और परिस्थिति की मांग है कि अगला राष्ट्रपति मागध क्षेत्र के केन्द्र से ही हो ताकि देश का समुचित समन्वयात्मक विकास हो सके।

विकाश और मध्याह्न भोजन के नाम पर विद्यालय में लूट

नवप्रदेश संवाददाता
नौडिहा बाजार पलामू : पलामू जिला के नौडीहा बाजार प्रखंड अतीसुदूरवर्ती पंचायत खैरादेहर अंतर्गत उत्तमकमित मध्य विद्यालय शिल्दा खुर्द (पूर्वी) के एक मात्र पहला वर्ग से आठ वर्ग तक है विद्यालय में प्रधानाध्यापक रूपेश कुमार गुप्ता के प्रभार लेने के बात विद्यालय का स्थिति बद से बदतर हो गया है कुल बच्चों का एडमिशन 325 से उपस्थिति दर 160 रहता है ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय में विकासखंड से जो भी 75000 हजार रूपए आया अध्यक्ष और सचिव के मिलीभगत से आधे अधूरा काम कर पूरी राशि डकार ली गई नहीं विद्यालय में पेंट और कोचारा एवं टूटे-फूटे बेंच और विद्यालय में, पर्श, लाइट पंखा का



भी भरमत्त नहीं किया गया और एक भी नया कुर्सी नहीं लिया गया जर्जर स्थिति में पड़ा हुआ है वहीं जैसे तैसे भोजन तो पकता है पर मीनू चार्ट से नहीं बच्चों को सेव अंडा बिस्कुट आदि नहीं मिलते वहीं विद्यालय में 12 शिक्षक होने से सुचारु रुप से रूटिंग के तहत बच्चों को नहीं पढ़ाया जाता है बच्चों और अभिभावकों को कहना है कि पूर्व में करीना काल के दौरान सरकार के

द्वारा राशि और चावल उपलब्ध कराया गया था जो कि सत वितरण नहीं दिया किया गया है। वहीं बच्चों को नाम काटकर विद्यालय से हटा दिया गया है बच्चों को ड्रेस ,बैग इत्यादि भी शत प्रतिशत नहीं वितरण किया गया है। लाखों रुपए खर्च करने के बावजूद भी सरकार के द्वारा स्वस्थ भारत मिशन के तहत शौचालय तो बन गया लेकिन अब तक सोच के लिए बच्चों लड़की

शिक्षिका बाहर जाने से विवाश है जर्जर व खराब पड़ा है शौचालय। यह सब ग्रामीणों ने जब प्रधानाध्यापक रूपेश कुमार गुप्ता से पुछताछ की तो उन्होंने संतोषजनक जवाब न देते हुए शिक्षक पर मनमानी से पदाने का आरोप लगाया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार प्रखंड में से लेकर जिला तक आवाज एवं लिखित आवेदन देने के बावजूद भी अब तक विद्यालय में सुचारु रूप से सुधार नहीं किया गया अगर विद्यालय में अच्छा सुचारु रूप से बच्चों को पढ़ाई भोजन नहीं मिला तो हम सब कठोर कदम उठाएंगे वहां के ग्रामीणों व सरपंच संतोष कुमार यादव से पुछताछ की तो उन्होंने विद्यालय के बारे में किया खुलास।

अनुमण्डल पदाधिकारी ने की सभी लोगों से शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील

नवप्रदेश संवाददाता
हुसैनाबाद, पलामू : रांची में नूपर शर्मा के विवादित टिप्पणी से नाराजगी को देश भर में विरोध व हिंसक प्रदर्शन एवं शुक्रवार को वहीं दिनों रांची में हुए हिंसक घटनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार के आदेश पर अनुमण्डल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण ने अनुमण्डल क्षेत्र के सभी आम अवाम जनता से आपसी सौहार्द व शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने सौहार्द एवं शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटने की बात कही हैं। अनुमण्डल क्षेत्र के तीनों प्रखण्ड

मोहम्मदगंज, हैदरनगर एवं हुसैनाबाद के प्रखंड विकास पदाधिकारियों को विधि व्यवस्था दुरुस्त रखने एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिए गए हैं। इधर सभी प्रखण्डों के अधिकारियों ने पत्र प्रेषित करते हुए अपने अपने क्षेत्र के नमाज स्थल मस्जिदों में दण्डाधिकारी को प्रतिनिधुक्ति किया है उन्होंने बताया कि प्रशासन के द्वारा अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

सोशल मीडिया पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया में भ्रामक पोस्ट के जरिए सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले असमाजिक तत्वों पर कड़ी

निगरानी रखने का निदेश दिया है।आगे उन्होंने कहा कि हुसैनाबाद के लोग शांतिप्रीय हैं एवं यहां सामाजिक समरसता की परंपरा रही है। उन्होंने अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी समेत सभी थाना प्रभारियों को हाई एलर्ट मूड रहने एवं पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के लिए सूचनार्थ प्रेषित किया हैं इधर अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी पूज्य प्रकाश ने भीआमलोंगों से अपील किया कि अफवाहों से बचे एवं किसी भी अराजक तत्व द्वारा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की सूचना हो,तो स्थानीय प्रशासन को तत्काल सूचित कर सहयोग करें।

राजद कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय नेता की 75 वा जन्मदिन मनाया

हुसैनाबाद पलामू : प्रखण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत जमुआ के ग्राम अमही के पावन धरती देवी मंदिर परिसर मैदान में राजद कार्यकर्ताओं ने अपने राष्ट्रीय नेता व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव जी का 75वा जन्मदिन मनाया इस मौके पर राजद हुसैनाबाद प्रखंड अध्यक्ष सुरेश्वर राम एवं पूर्व प्रखण्ड अध्यक्ष कामख्वा नारायण सिंह एवं पार्टी के कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने केक काटकर मिठाई खिलाया इस मौके सुरेश्वर राम ने कहा कि लालू यादव गरीबो के जुबान हैं ,साथ समतामूलक समाज के निर्माता हैं आज ये नही होते तो बाबा साहेब की संविधान का लाभ गरीब अकलितता को नही मिलती देश के बड़े से बड़े केंद्रीय

पार्टियों ने इन्हें झुकने के लिए प्रयास किया लेकिन लालू यादव ने कभी झुका नही और न ही गरीबो के शान कभी झुकने दिया। मौके पर राजद प्रेमी मुखिया प्रत्याशी सुयनारायण राम,जगदीश राजवंशी , जानकी राजवंशी ,ब्यास अनिल यादव जी जिंदेंट यादव जी, शंभु यादव जी, शंभु यादव जी, दामोदर बारी जी, डॉक्टर अखिलेश यादव जी , अनिल कुमार पासवान जी, कृष्णा यादव जी, राकेश पासवान, ओमप्रकाश पासवान, शिवकुमार यादव, सुधीर पासवान, शैलंत यादव, बनता यादव, मनोज यादव, शंखर बारी जी, रामऔतार राजवंशी बिमलेश यादव, इत्यादि सैकड़ों राजद कार्यकर्ता उपस्थित थे।

18 वर्ष आयु के बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करे बच्चे हमारे देश का भविष्य है : पुष्पा



नावा बाजार पलामू : कंडा में आयोजित स्टार अकैडमी सेंटर में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सौजन्य से संपूर्ण ग्राम विकास केंद्र द्वारा संचालित चाइल्ड लाइन द्वारा विमुच बाल श्रम दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान चाइल्ड लाइन सदस्य पुष्पा कुमारी एवं सचिन कुमार ने कहा। कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से काम करवाना अपराध है।इस अपराध के लिए बच्चों से काम कराने वाले व्यक्ति को 1 साल का कारावास की सजा हो सकती है और जुमानां के रूप में 20 हजार रुपए की राशि जमा करना होगा। कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से 18 वर्ष आयु वर्ग का है और वह अपनी मर्जी से काम करना चाहेता है तो वह काम कर सकता है। लेकिन इसमें भी शर्त यह है कि बच्चे से कोई भारी काम नहीं कराया जाए।

भाईचारा बनाए रखने के लिए संयम बनाए रखें लोग : महमूद
गोमिया (बोकारो) : इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं झारखंड आंदोलनकारी इफ्तेखार महमूद ने लोगों से संयम बनाए रखने की अपील की है। अपने बयान में महमूद ने कहा है कि राजधर्म को कलंकित करने का सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी का इतिहास रहा है। प्रोफेसर रतनलाल (डीयू), जिग्नेश मेवानी (गुजरात) को तुरन्त गिरफ्तार किया गया, किंतु नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल को बचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाईचारा को नुकसान पहुंचाने वालों पर कानूनी कार्रवाई हेतु गांधीवादी तरीका से विरोध को जारी रखना होगा। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों का पलायन एवं कमरतोड़ महगाई जैसे मामलों में सरकार की विफलता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। महमूद ने कहा कि रावी के अप्रिय घटना के बाद भी सोशल मीडिया में धर्म विशेष के विरुद्ध आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट किए जा रहे हैं। इसकी सूचना जिला एवं अनुमंडल प्रशासन को मेरे द्वारा दी गई है। आपत्तिजनक पोस्ट के कारण कानून को हाथ में लेने से हमें बनना है।

वरिष्ठ प्रचारक एवं संस्कार भारती के संरक्षक बाबा योगेंद्र के निधन पर शोक

नवप्रदेश संवाददाता
बोकारो : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक व संस्कार भारती के संरक्षक पद्मश्री बाबा योगेंद्र के निधन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, संस्कार भारती से जुड़े लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया है। शनिवार की देर शाम संस्कार भारती परिवार ने ऑनलाइन शोकसभा आयोजित कर बाबा योगेंद्र को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। कला-संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान की चर्चा करते हुए उन्हें नमन किया। संस्कार भारती के प्रांत महामंत्री संजय कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्र प्रमुख संजय कुमार चौधरी, बोकारो जिलाध्यक्ष अमरजी सिन्हा, उपाध्यक्ष निमेष राठौड़, मंत्री वररूप शेखर पांडेय, साहित्य व मीडिया



प्रमुख अरुण पाठक, संगीत प्रमुख संजीव मजुमदार सहित मीरा सिन्हा, महिमा सिंह, अर्चना, रंजना राय, रागिनी सिन्हा, बिपिन बिहारी श्रीवास्तव आदि ने पद्मश्री बाबा योगेंद्र के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कला संस्कृति के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। विदित हो कि 98 वर्ष की आयु में बाबा योगेंद्र का

निधन 10 जून, 2022 को हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे तथा उनका ललायन रुस्थत राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उपचार चल रहा था। बाबा योगेंद्र कला तथा साहित्य के क्षेत्र में काम करने वाली अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती के संस्थापक थे तथा अनेक वर्षों तक राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहे। कला क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए वर्ष 2018 में भारत सरकार ने पद्म श्री सम्मान से अलंकृत किया था। इसके अतिरिक्त भाऊराव देवरास सेवा सम्मान तथा अहिल्या बाई होलकर राष्ट्रीय पुरस्कार तथा अनेक पुरस्कारों से भी आप सम्मानित हुए थे। बाबा योगेंद्र का जन्म 7 जनवरी, 1924 को उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में गांधीनगर में हुआ था।

सेठ इब्राहिम ने हजरत दाता शाह के मजार पर चादर पोशी किया

हुसैनाबाद पलामू : नगर पंचायत के अंतर्गत हजरत दाता मजार पर उसं के शुभअवसर पर समाज सेवी बरफिहरी गांव निवासी इब्राहिम सेठ ने बीते रात्रि में दाता शाह मजार पर चादर पोशी किया गया मौके पर समाजसेवी इब्राहिम सेठ ने अपने क्षेत्र लिए अमन चैन शांति कायम रखने दुवा मांगी एवं लोगों से भी अपील किया उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हजरत दाता साहब से मजार परिसर में कवाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया है । इससे पूर्व कोविड के कारण पिछले दो वर्ष से कवाली का कार्यक्रम नहीं हुआ था,इसलिए इस वर्ष कोविड का देखते हुए कच्वाली सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न होगा।

दुमका जिला प्रशासन अलर्ट डीसी-एसपी उतरे सड़क पर

दुमका । रांची की घटना के बाद उप राजधानी दुमका में जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर है। इसी को लेकर डीसी रविशंकर शुक्ला और एसपी अम्बर लकड़ा के संयुक्त नेतृत्व में दुमका जिला मुख्यालय में रविवार को फ्लैग मार्च निकाला गया।

दुमका के नगर थाना से निकला फ्लैग मार्च मुख्य बाजार टिन बाजार होते हुए दुधानी,

रसिकपुर, कुम्हारपाड़ा, शिवपहाड़ इलाके से सियो कान्हू चौक होते हुए नगर थाना पहुंची। फ्लैग मार्च में डीसी-एसपी के साथ डीडीसी, एसडीएम, एसडीपीओ सदर सहित सैकड़ों की संख्या में रैप के जवान, एसएसबी जवान एवं जिला पुलिस बल शामिल थे।

इस मौके पर डीसी रविशंकर शुक्ला ने दुमका की जनता से अपील करते हुए कहा कि किसी

भी प्रकार के अफवाह पर ध्यान नहीं दें। शांति और सौहार्द बनाने में अपनी योगदान दें। अफवाह फैलाने वाले लोगों को चिन्हित कर उसपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शांति और सौहार्द बनाने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

एसपी अम्बर लकड़ा ने कहा कि फ्लैग मार्च के माध्यम से यह संदेश है कि किसी तरह का अफवाह नहीं फैलाएं। आपसी

सौहार्द बनाये रखे। सोशल मीडिया पर प्रशासन की पैनी नजर है। किसी तरह की सूचना मिलने पर हेल्पलाइन नंबर पर तुरंत सूचना देने का काम करें। पुलिस मामले की संज्ञान लेते हुए अविलंब कार्रवाई करेगी।

इस अवसर पर डीडीसी कर्ण सत्यार्थी, एसडीएम महेश्वर महतो, एसडीपीओ, सदर मो नूर मुस्तफा, थाना प्रभारी नीतिश कुमार आदि उपस्थित थे।

माहौल खराब करने वाले दर्जन भर व्हाट्स ग्रुप और फेसबुक आईडी चिह्नित

जमशेदपुर । शहर में सांप्रदायिका का जहर घोलने वाले 12 व्हाट्सएप ग्रुप को पुलिस ने चिह्नित किया है और उनके एडमिन को नोटिस भेजने जा रही है। पुलिस के पास ऐसे 30 ग्रुप की सूची है, जिनपर कार्रवाई की जाएगी। इसमें साम्प्रदायिक और आपत्तिजनक पोस्ट किए जा रहे हैं। इसके अलावा फेसबुक में पोस्ट किए जाने वाले कंटेंट को भी पुलिस की टीम उस फेसबुक संचालक के नाम और लिंक के साथ ही इकट्ठा कर रही है। इनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। सूत्रों के अनुसार अलग-अलग ग्रुप में इनके द्वारा सांप्रदायिक बातों को भेजा जा रहा है। इनके द्वारा अलग-अलग ग्रुप में इनके द्वारा भड़काने से

संबंधित मैसेज को पोस्ट करने की सूचना पुलिस के पास है। अफवाह फैलाने वालों पर शिकंजा कसने के लिए टीम का गठन किया गया है। इसमें जोनवार टीम बनाई गई है। इस टीम में टेक्निकल सेल की मदद ली जा रही है। उनके भी सदस्यों को शामिल किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर में कुछ ऐसे ग्रुप हैं, जिनमें सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने और दूसरे धर्म के लोगों के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की जाती है। उसके बाद ही कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार मुख्य रूप से व्हाट्सएप और फेसबुक पर ही आपत्तिजनक टिप्पणी की बात सामने आती है।



जामताड़ा । पुरानी पेंशन नीति लागू करने को लेकर आंदोलनरत विभिन्न कर्मचारी संगठनों की प्रखंडस्तरीय बैठक 12 जून को जेबीसी विद्यालय में हुई। बैठक में आगामी 26 जून को रांची के मोहराबादी मैदान में पुरानी पेंशन नीति लागू करने की मांग को लेकर महारैली का निर्णय लिया गया। बैठक में महारैली को सफल बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिला महामंत्री बेजू झा ने कहा कि पुरानी पेंशन नीति लागू करने को लेकर आंदोलनरत कर्मी रैली को सफल बनाने की पूरी कोशिश करेंगे।

पाकुड़ बस स्टैंड में निर्मित जलमीनार बेकार

पाकुड़। बस स्टैंड पाकुड़ में 4 लाख 60 हजार रुपये की लागत से तैयार जल मीनार बेकार पड़ी है। नगर परिषद इलाके में पानी सप्लाई के लिए वर्ष 1917 में इसका निर्माण किया गया था। 5 वर्ष गुजर जाने के बाद भी इसे चालू नहीं किया गया है। बस स्टैंड में 50 से अधिक दुकानें हैं। यहां से लगभग 36 बसें विभिन्न जगहों के लिए रवाना होती है। हजारों यात्री इस बस स्टैंड से सफर करते हैं। बस स्टैंड में चापाकल भी एक ही है, जिससे पानी की किर्रलत है। इसी जल मीनार से बस स्टैंड में भी पानी का सप्लाई किया जाना है। जल मीनार के चालू नहीं होने से यात्रियों समेत दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार लिखित आवेदन देकर जल मीनार चालू करने की मांग की गई लेकिन इसे चालू नहीं किया गया। इस संबंध में पूछे जाने पर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि बोरिंग में पानी कम है। जिससे पानी जल मीनार तक नहीं पहुंच पा रहा है। नया बोरिंग गड़ाने के बाद जल मीनार से पानी सप्लाई किया जाएगा।

छह करोड़ की हेराफेरी का आरोपी व्यापारी गिरफ्तार

जमशेदपुर। फर्जी दस्तावेज से जुगसलाई में छह करोड़ रुपये के जीएसटी फजीवाड़ा के आरोपी मनोज पारिख को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि केस दर्ज होने के बाद मनोज पारिख राजस्थान भाग गया था। दो दिन पहले वह अपने घर जुगसलाई आया था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने छापेमारी कर उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में 8 जून 2018 को जुगसलाई थाने में राज्य कर विभाग के जमशेदपुर अंचल के अधिकारी राजेश कुमार के बयान पर केस दर्ज किया गया था। इसमें मनोज पारिख के खिलाफ 5 करोड़ 73 लाख 84 हजार की सेल्य टैक्स चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी।

महिला से पर्स छीना, मौके पर पकड़ाया

जमशेदपुर। टेल्लको थाना क्षेत्र के सेक्टर मार्केट के पास स्कूटी से जा रही महिला का बाइक सवार बदमाश ने पर्स छीनने का प्रयास किया। लेकिन छिनतई के दौरान महिला और बदमाश दोनों घिर गए। हल्ला करने के बाद आसपास के लोग मौके पर जुटे व बदमाश की पिटाई कर दी। सूचना के बाद टेल्लको पुलिस पहुंची और युवक को पकड़कर थाना लेकर चली गई। पुलिस युवक से घटना के संबंध में पूछताछ कर रही है।

छह करोड़ की हेराफेरी का आरोपी व्यापारी गिरफ्तार

जमशेदपुर। फर्जी दस्तावेज से जुगसलाई में छह करोड़ रुपये के जीएसटी फजीवाड़ा के आरोपी मनोज पारिख को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि केस दर्ज होने के बाद मनोज पारिख राजस्थान भाग गया था। दो दिन पहले वह अपने घर जुगसलाई आया था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने छापेमारी कर उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में 8 जून 2018 को जुगसलाई थाने में राज्य कर विभाग के जमशेदपुर अंचल के अधिकारी राजेश कुमार के बयान पर केस दर्ज किया गया था। इसमें मनोज पारिख के खिलाफ 5 करोड़ 73 लाख 84 हजार की सेल्य टैक्स चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी।

बेगूसराय में सरपंच पर कुदाल से जानलेवा हमला, हालत गंभीर

बेगूसराय। बेगूसराय में जमीन को लेकर विवाद कम नहीं हो रहा है। बेगूसराय में लोगों को न्याय दिलाने वाले सरपंच भी सुरक्षित नहीं है। रविवार को जमीन विवाद को लेकर एक सरपंच पर कुदाल से जानलेवा हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल सरपंच को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवा गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना छेड़झाल थाना क्षेत्र के परोड़ गांव की है। बताया जा रहा है कि परोड़ पंचायत के सरपंच सीताराम यादव के 12 भूर जमीन पर पड़ोसी त्रिवेणी यादव ने जबरन कब्जा कर रखा है। विगत दिनों जमीन की मांगी हुई तो त्रिवेणी यादव द्वारा जमीन पर अवैध कब्जा उजागर हो गया। जमीन खाली करने को लेकर ग्रामीण एवं पंचों ने दोनों पक्षों को समझौता के लिए रविवार को पंचायत बुलाई थी।



जिसमें सरपंच सीताराम यादव, पंचायत के पंच एवं गांव के अन्य जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीण तब समय पर पंचायती के लिए पहुंच गए लेकिन पंचायती शुरू होने से पहले ही त्रिवेणी यादव ने सरपंच को गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। परिजन ने बताया कि विरोध करने पर त्रिवेणी यादव एवं उसके साथियों ने कुत्तय सहित अन्य धारदार हथियार से सरपंच सीताराम यादव पर ताबड़तोड़ प्रहार कर दिया तथा मग समझकर वहां से भाग गए।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के पास शव मिलने से गांव में सनसनी

नवप्रदेश प्रतिनिधि

सूर्यपुर। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के पास रविवार को एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई,

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के परिसर में नव निमाणधीन बन रहे समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में काम कर रहे मजदूरों ने एक व्यक्ति जो बेसुध पड़ा हुआ देखा,जिसकी सूचना मजदूरों ने अपने ईंचार्ज को बताया ,मजदूरों के शोर गुल से कई लोग जमा हो गए ,जब लोगों ने उसे देखा तो उक्त युवक की पहचान बारुन गांव के निवासी परशुराम सिंह कुशवाहा के रूप में हुई ,घटना की सूचना मिलते ही उसके परिजन भी वहां पहुंच गए ,और आनन- फानन में पीएचसी में ले जाया गया ,जहां चिकित्सकों ने जांच के पश्चात उसे मृत घोषित कर दिया ,हालांकि परिवार वालों को संतुष्टि नही हुई तो वे बाहर भी जांच के लिए ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एलआर फाउंडेशन ने किया सिलाई सेंटर का शुभारंभ



शेखपुरा। आज शेखपुरा जिले के शेखपुरसराय प्रखंड अंतर्गत राहिका और पांची में लता राज फाउंडेशन उर्फ सोनू सिंह ने बताया कि 15 मई को उनके पुण्यतिथि पर 24 घंटे के अखंड हर कीर्तन जो हर साल होता है वह कराया जाएगा और संख्या 4 बजे से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है जिसमें रोहतास जिले के सभी लोग आमंत्रित पिताजी के द्वितीय पुण्यतिथि पर डालमियानगर खेल मैदान में खेल प्रेमी हमेशा फुटबॉल क्रिकेट देखने आते हैं लेकिन वहां पर बैठने की कोई सुविधा नजर नहीं आती इसीलिए इस पुण्यतिथि के अवसर पर खेल मैदान के चारों तरफ 8 चबूतरा का निर्माण कराया

ललन सिंह की पुण्यतिथि पर खेल ग्राउंड में दर्शकों के लिए चबूतरे का निर्माण

नवप्रदेश प्रतिनिधि

डेहरी। शहर में गार्जियन के रूप में चर्चित स्वर्गीय इंजीनियर ललन सिंह की तृतीय पुण्यतिथि 15 जून को उनके निवास स्थान जखी बीघा पर मनाई जाएगी। राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह ने बताया कि 15 मई को उनके पुण्यतिथि पर 24 घंटे के अखंड हर कीर्तन जो हर साल होता है वह कराया जाएगा और संख्या 4 बजे से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है जिसमें रोहतास जिले के सभी लोग आमंत्रित पिताजी के द्वितीय पुण्यतिथि पर डालमियानगर खेल मैदान में खेल प्रेमी हमेशा फुटबॉल क्रिकेट देखने आते हैं लेकिन वहां पर बैठने की कोई सुविधा नजर नहीं आती इसीलिए इस पुण्यतिथि के अवसर पर खेल मैदान के चारों तरफ 8 चबूतरा का निर्माण कराया

नोखा बंधन बैंक लूटकांड में शामिल चार बदमाश गिरफ्तार दो देशी कट्टा, सात कारतूस और लूट के 13840 रुपये बरामद, भेजे गये जेल

नवप्रदेश प्रतिनिधि

डेहरी। रोहतास जिले में बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के एक निजी फाइनेंस कंपनी व नोखा बंधन बैंक में हुई लूट की घटना में शामिल चार अपराधियों को दो देशी कट्टा,7 जिंदा कारतूस, लूट में प्रयुक्त दो बाइक व 13840 रुपये के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।एसपी आशीष भारती ने यह जानकारी रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि नोखा थाना क्षेत्र के बंधन बैंक और बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के भारत फाइनेंस इनक्लूसन लिमिटेड कंपनी में हुई लूट की घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी को ले एसडीपीओ

बिक्रमगंज व सासाराम के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इसमें बिक्रमगंज के एसएचओ प्रशिक्षु आईपीएस डॉक्टर के रामदास व डीएचू की टीम शामिल थे। उन्होंने बताया कि बिक्रमगंज एसएचओ को जानकारी मिली की लूट कांड में शामिल गिरोह के संजौली थाना क्षेत्र के तेंदुआ गांव निवासी अजय कुमार उर्फ टाइगर व दावथ थाना क्षेत्र के भुंडाडीह निवासी श्रीकांत यादव बिक्रमगंज थाना क्षेत्र में छिपे हैं। गठित टीम को इसकी सूचना दी गई। टीम ने दोनों अपराधियों की घेराबंदी कर शनिवार देर शाम को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए अपनी



संलिप्तता के साथ अन्य चार अभियुक्तों को शामिल होने की बात स्वीकार की। इन दोनों अभियुक्तों की निशानदेही पर लूट में शामिल एक अन्य अपराधी ओम प्रकाश महतो को दावथ थाना क्षेत्र के

मिर्जापुर से गिरफ्तार किया गया। इसके पास से उपयोग में लाई गई एक मोटरसाइकिल, एक लूटी गई मोबाइल, 13840 रुपये, लैपटॉप का बैग, फिंगर स्कैनर बरामद हुआ।

उन्होंने बताया कि इस कांड के अप्राथमिकी अभियुक्त राम अवतार यादव उर्फ रोहित के घर पर अभियुक्तों की निशानदेही पर छापेमारी किया गया। वहां से दो देशी कट्टा लूट के उपयोग में लाई

भीषण गर्मी से अनुमंडल क्षेत्र में पेयजल संकट गहराया

नवप्रदेश प्रतिनिधि

बिक्रमगज। जून माह के प्रारंभ से ही अनुमंडल क्षेत्र में पेयजल की समस्या गंभीर होने लगी है। तेजी से जलस्तर के नीचे जाने से कई स्थानों पर चापाकल कम मात्रा में पानी दे रहे है तो कई गांवों में पेयजल सूख गये है। ऐसी स्थिति में गांव से लेकर शहर तक के लोगों को पेयजल के संकट से जूझना पड़ रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र के अनुसार रविवार को शहर का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस रहा। इसमें लगातार वृद्धि होने का अनुमान लगाया जा रही है। गर्मी के कहर शुरू होने के साथ ही पानी और बिजली रूकने लगी है। पिछले महीने में जहां शहर में 22 से 24 घंटे बिजली मिलती थी वहीं अब कटौती शुरू हो गयी है। पिछले एक सप्ताह से शहर एवं ग्रामीण इलाके में बिजली की कटौती जारी है। वर्तमान में 10 से 12 घंटे भी बिजली नहीं मिल रही है।

उप्र : अयोध्या कचहरी को बम से उड़ाने की मिली धमकी

अयोध्या : अयोध्या में कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। रविवार को जिला जज के न्यायालय को स्पीड पोस्ट से मिले पत्र के बाद कचहरी और प्रमुख मन्दिरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पूरी रामनगरी को पुलिस ने छावनी में तब्दील कर दिया है।

धमकी भरे पत्र मिलने के मामले में चौकी इंचार्ज सिविल कोर्ट विनय कुमार ने कोतवाली नगर में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। धमकी भरे पत्र में थाना पूराकलंदर के दीनतपुर गांव निवासी एक व्यक्ति के नाम का जिक्र किया गया, जब पुलिस ने उस व्यक्ति से पूछताछ की तो

- डाक से मिले पत्र के बाद प्रमुख मंदिरों की सुरक्षा बढ़ायी गयी**
- पुलिस छावनी में तबदील हुई राम की नगरी अयोध्या**



वह मामले से अनजान निकला।

इधर, धमकी भरे पत्र मिलने के बाद पूरे कोर्ट परिसर की डॉंग स्वकायड के

साथ छानबीन की जा रही हैं। इसके साथ ही पुलिस ने कोर्ट परिसर के गेट पर फोर्स तैनात कर दी है और डॉंग स्वकायड के जरिए सदिग्धों पर नजर बनाए हुए है।

अयोध्या में कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में यूपी एटीएस, स्थानीय पुलिस के साथ जांच एजेंसी भी सक्रिय हो गई है। यह पत्र कहा से आया और किसने भेजा है और इसके पीछे का मकसद क्या है इसको लेकर तहकीकात शुरू कर दी गई है। फिलहाल श्रीराम जन्मभूमि, हनुमानगढ़ी, कनक भवन, सहित प्रमुख मंदिरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

उप्र पुलिस की उपद्रवियों पर कार्रवाई जारी, बुल्डोजर से गिराये जा रहे घर

अब तक 304 गिरफ्तार

संक्षिप्त

राष्ट्रपति का कर्नाटक

और गोवा दौरा आज से

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द 13 से 15 जून तक कर्नाटक और गोवा का दौरा करेंगे। राष्ट्रपति भवन ने रविवार को राष्ट्रपति कोविन्द के कर्नाटक और गोवा के तीन दिवसीय दौरे की जानकारी साझा की। राष्ट्रपति 13 जून को बेंगलुरु के राष्ट्रीय सैन्य स्कूल के प्लेटिम जुबली समारोह में भाग लेंगे। राष्ट्रपति 14 जून को वैकुंठ हिल, वसंतपुरा, बेंगलुरु में श्री राजाधिराज गोविंदा मंदिर के लोकर्पण समारोह में शामिल होंगे। राष्ट्रपति भवन के अनुसार 15 जून को दिल्ली लौटने से पहले राष्ट्रपति गोवा के नए राजभवन की आधारशिला रखेंगे।

प्रधानमंत्री ने तोमर को दी जन्मदिन की बधाई

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट संदेश में कहा- ‘केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी को जन्मदिन की बधाई। वह भारतीय कृषि क्षेत्र को बदलने और किसानों के कल्याण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भगवान उभै लंबी उम्र देहें।’

प्रधानमंत्री 14 को महाराष्ट्र के दौरे पर

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 जून को महाराष्ट्र के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। वो पुणे में जगन्गुरु श्रीसंत तुकाराम महाराज मंदिर और मुंबई में जल भूषण भवन और क्रांतिकारियों की गैलरी का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वह गुजराती दैनिक ‘मुंबई समाचार’ के 200वीं वर्षगांठ समारोह में भी हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने रविवार को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 14 जून को महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर करीब 1:45 बजे पुणे के देहू में जगत्गुरु श्रीसंत तुकाराम महाराज मंदिर का उद्घाटन करेंगे। शाम करीब 4:15 बजे मुंबई के राजभवन में जल भूषण भवन और क्रांतिकारियों की गैलरी का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद शाम करीब छह बजे प्रधानमंत्री मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में मुंबई समाचार के द्विशताब्दी महोत्सव में हिस्सा लेंगे।

राजस्थान

मंत्री के बेटे पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली युवती पर हमला

रेप पीड़िता पर बदमाशों ने फेंका केमिकल

नयी दिल्ली : राजस्थान के मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली युवती पर शनिवार रात हमला किया गया। पीड़ित युवती का आरोप है कि ऑटो सवार युवकों ने उस पर केमिकल फेंका और फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर उसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। वहीं शाहीन बाग थाना पुलिस ने आईपीसी की धारा 195ए/506/323/34 के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच चल रही है। महिला आयोग की अध्यक्ष स्थावि मालीवाल ने मामले में संज्ञान लेकर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर कहा कि एफआईआर दर्ज कर जल्द आरोपितों को गिरफ्तार किया जाये।



यह थी पूरी घटना

पुलिस के अनुसार, रोहित जोशी के साथ लिव इन रिलेशन में रहने वाली उसकी महिला मित्र ने उत्तरी जिले के सदर बाजार थाने में दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत में युवती ने बताया था कि रोहित बीते कई महीनों से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा है। वह उसका अश्लील वीडियो तैयार कर उसे सार्वजनिक करने की धमकी देता है। इस धमकी से डराकर वह उसके साथ जयपुर, उतराखंड और दिल्ली में दुष्कर्म कर चुका है। पीड़िता के अनुसार बीते मार्च महीने में उसके साथ सदर बाजार स्थित एक होटल में रोहित जोशी ने दुष्कर्म किया था।

बीती देर रात पीड़िता ने दी शिकायत

मामले में पीीडिता ने शनिवार रात उस पर हमला किये जाने की शिकायत दी। युवती ने पुलिस को बताया कि वह पैदल शाहीन बाग इलाके से जा रही थी। तभी रास्ते में ऑटो सवार युवकों ने उस पर कोई केमिकल फेंका और फरार हो गए। उसने तुरंत मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवती को तुरंत उपचार के लिए एम्स अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद युवती को छुट्टी दे दी गई है। घटना को लेकर शाहीन बाग पुलिस आसपास लग सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है। दक्षिण पूर्वी जिले की डीसीपी ईशा पांडेय ने कहा कि मामले में प्राथमिक जांच में स्याही फेंकने की बात सामने आई है। घटना के समय युवती के साथ उसकी मां भी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है।

महेश जोशी का बेटा

है आरोपित रोहित

दिल्ली पुलिस ने पहले जीरो एफआईआर दर्ज कर इस मामले को जयपुर भेज दिया था, लेकिन बाद में इसे रंगुलर एफआईआर में तब्दील कर दिया गया। आरोपित बनाया गया रोहित जोशी राजस्थान के मंत्री महेश जोशी का बेटा है। पुलिस ने उसकी तलाश में राजस्थान स्थित मंत्री के घर पर छापा भी मारा था। रोहित ने इस मामले में अपने अधिवक्ता के द्वारा अग्रिम जमानत याचिका तीस हजारी कोर्ट में दायर की थी। सुनवाई के बाद कुछ शर्तों के साथ कोर्ट ने उसे जमानत दी थी। जमानत मिलने के बाद शनिवार को उससे पुलिस ने कई घंटे पूछताछ भी की है।

एक नजर

सोनिया गांधी सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती



नयी दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को कोविड संबंधी समस्याओं के कारण रविवार को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को आज कोविड से संबंधित समस्याओं के कारण सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और उन्हें

निगरानी के लिए अस्पताल में ही रखा गया है। उन्होंने कहा, ‘हम कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ सभी शुभवित्ताओं को उनकी चिंता और शुभेच्छाओं के लिए धन्यवाद देते हैं।’ उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की 2 जून को कोविड संबंधित रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई थी। उसके बाद उनकी बेटी प्रियंका गांधी की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई थी।

पुलवामा मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे गए

पुलवामा : पुलवामा जिला के द्रबगाम इलाके में शनिवार शाम से जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने रविवार सुबह लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकियों को मार गिराया। इनके पास से हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ है। मारे गए आतंकियों की पहचान जुनेद शीरगोजरी, फैजल नजीर बट और इफ्फान अहमद मलिक निवासी पुलवामा के रूप में हुई है। पुलिस ने रविवार को बताया कि शनिवार को पुलवामा के द्रबगाम इलाके में सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान शुरू हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया था। रात भर से जारी मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने रविवार सुबह दो और आतंकियों को मार गिराया है। फिलहाल अभी भी क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है। कश्मीर के आईजीपी विजय कुमार ने इस मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि पुलवामा मुठभेड़ के तीनों आतंकियों को मार गिराया गया है। इनके कब्जे से दो एफे 47 राइफल और एक पिस्तौल बरामद हुई है।

दशम अभा हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन का शुभारंभ

जयपुर/गोवा : गोवा के फोंडा में ‘दशम अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन’ का उद्घाटन रविवार को हुआ। इस अधिवेशन में देश-विदेश के 225 से अधिक प्रतिनिधि शिरकत कर रहे हैं। हिन्दू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय मार्गदर्शक सद्गुरु डॉ. चारुदत्त पिंगले ने कहा कि वर्तमान में देश में कार्यरत हिन्दुविरोधी ‘अलायंस’ के पीछे राजनीतिक स्वार्थ है। यह ‘एजेंडा’ हिन्दू राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। इस हिन्दू विरोधी ‘अलायंस’ को परास्त करने के लिए हमें अपने वाले काल में वैचारिक और बौद्धिक स्तर पर निरंतर खंडन करना पड़ेगा। उन एडि से यह अखिल भारतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन महत्वपूर्ण है। कालमहिमा के अनुसार वर्ष 2025 में भारत हिन्दू राष्ट्र बनने वाला है। वाराणसी का नदी आज भी ज्ञानवापी मस्जिद की ओर मुख कर मुन विध्वंसित मंदिर के भग्नावशेष देख रहा है। कर्नाटक में ‘पहले हिजाब, बाद में किताब’ ऐसा अभियान ही छात्राओं के माध्यम से कट्टरवादियों ने प्रारंभ किया था।

आईटीबीपी जल विंग ने 10वां स्थापना दिवस मनाया

नयी दिल्ली : भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने आज जल विंग ने तेजपुर असम में अपना 10वां स्थापना दिवस मनाया। जल विंग की स्थापना 12 जून, 2012 को हुई थी। इस अवसर पर बोलेते हुए मुख्य अतिथि गीआईजी (तेजपुर) जीसी पुरोहित ने कहा, ‘जल विंग हमारे देश की सुरक्षा में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। जलवायु परिवर्तन और लगातार आपदाएं भविष्य में इसका महत्व और बढ़ा देंगी।’ वहीं, जल विंग के स्थापना दिवस समारोह के दौरान डीआईजी जीसी पुरोहित, डॉ बलराज बेगरा, डीआईजी (मेडिकल), कमांडेंट आईसी झा, 55 बतलियन, डॉ दीपक पाण्डेय, कमांडेंट, वाटर विंग, संजय कुमार, द्वितीय कमान, आशुतोष बिष्ट, हिफ्टी कमांडेंट, प्रेम सिंह, सहायक कमांडेंट, भरत सिंह, सहायक कमांडेंट और कई अन्य अधिकारी सहित सैकड़ों अधीनस्थ अधिकारी और जवान मौजूद थे।

दही-चूड़ा मेले में भारी भीड़, गर्मी से तीन की मौत

कोलकाता : उत्तर 24 परगना के पानीहाटी दही-चूड़ा मेले में दर्दनाक हादसा हुआ है। रविवार सुबह मेले में भारी भीड़ और भीषण गर्मी के चलते तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें दो महिलाएं शामिल हैं। दो और लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। हालांकि हादसे के बाद मंदिर का मुख्य द्वार बंद कर दिया गया था। प्रधानमंत्री मनमता बनर्जी ने इस घटना पर दुःख जताया है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि पानीहाटी में इस्कोन मंदिर के चूड़ा-दही महोत्सव में भीषण गर्मी और उमस के चलते तीन लोगों की मौत हो गई है। यह अत्यंत दुःखद घटना है। पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी कोफे पर पहुंचे हैं। वे हर तरह से मदद कर रहे हैं। मृतक परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कर रही हूं। उल्लेखनीय है कि कोरोना को लेकर पिछले दो साल से यह उत्सव बंद था। स्वाभाविक रूप से, इस वर्ष के आयोजन को लेकर काफी उत्साह था। लेकिन मैं सबसे से ही काफी संख्या लोग यहां आए थे। दिन चढ़ने के साथ ही गर्मी भी बढ़ती गई। मृतकों के नाम अभी पता नहीं चल पाए हैं। दो और गंभीर हालत में खरबों के बरताराम अस्पताल में इलाज हैं। पुलिस कर्मों मेला परिसर को शीत खाली कराने का प्रयास कर रहे हैं। विषाक्त निम्नल घोष भी मौके पर पहुंचे हैं।

संदिग्ध बस में मिली आईईडी, किया गया डिफ्यूज

श्रीनगर : श्रीनगर के रावलपोरा इलाके में सड़क मार्ग के पास रविवार को एक संदिग्ध बैग मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों के जवान भी मौके पर पहुंच गए और जांच-पड़ताल की। बैग में आईईडी मिलने पर तुरन्त बैग को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। बम निरोधक दस्ते ने आईईडी डिफ्यूज कर दी। श्रीनगर के रावलपोरा इलाके में सड़क मार्ग के पास कुछ लोगों ने एक संदिग्ध बैग देखा। इसके बाद सुरक्षाबलों को इसकी सूचना दी गई। सुरक्षाबल के जवान और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचे। सुरक्षाबलों ने कुछ समय के लिए मार्ग को बंद कर दिया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने देखा कि बैग में आईईडी लगा रखी है। उन्होंने तुरन्त बैग को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर आईईडी को निष्क्रिय कर दिया। सुरक्षाबलों ने आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रखा है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का बने हिस्सा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का हिस्सा बनने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर 27 सितंबर 2014 का संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिया अपना भाषण भी साझा किया है जिसमें उन्होंने 21 जून के दिन को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित करने का आग्रह किया था। बाद में संयुक्त राष्ट्र ने प्रधानमंत्री के सुझाव पर 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को ट्वीट में कहा, कुछ ही दिनों बाद दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। मेरा आग्रह है कि आप सभी योग दिवस का हिस्सा बनें और योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। इसके एक नही, अनेक लाभ हैं। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 2014 के अपने भाषण में कहा था, ह्रोग्य हमारी पुरातन पारंपरिक अमूल्य देन है। योग मन व शरीर विचार व कर्म संयम व उपलब्धि की एकात्मता का तथा मानव व प्रकृति के बीच सामंजस्य का मूर्त रूप है। यह स्वास्थ्य व कल्याण का समग्र दृष्टिकोण है।

फिट इंडिया रन में पहुंचे केन्द्रीय खेल मंत्री, झाड़ू लगाकर किया जागरूक

स्वच्छ होने पर ही, सशक्त होगा भारत : अनुराग

लखनऊ : देश में हजारों लोगों की मौत गंदगी के कारण हो जाती है। शौचालय की सुविधा न होना एक बहुत बड़ी प्रताड़ना थी। इसको प्रधानमंत्री मोदी ने समझा और 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाकर दिये। यह कहने में तो आसान लगता है लेकिन इसकी महत्ता आप समझें, यदि आठ घंटा आपको कह दिया जाय कि बिना शौचालय के रहना है तो कितना कठिन होता। ये बांतें केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कही। वे केडी सिंह स्टेडियम में खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। वे फिट इंडिया रन में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने आये थे।

उन्होंने कहा कि यदि स्वच्छ भारत होगा तो स्वस्थ भारत होगा और स्वस्थ भारत होगा तो सशक्त भारत होगा। स्वच्छता अभियान का भी देख लें, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों की सोच बदली है। अब लोग कोई कूड़ा फेंकने के लिए डस्टबिन ढूढते हैं और उसी में गंदगी को डालते हैं। हर जगह स्वच्छता का माहौल बना। वहीं आरोग्य सेतु एप का भी हाल है। कोरोना काल में भी लोग जागरूक दिखे। यही कारण रहा कि हम कोरोना से लड़ने में सफल रहे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आप स्वच्छता अभियान को आप नियमित रूप से करेंगे तो निश्चय ही हम



स्वच्छ व स्वस्थ रहने में कामयाब होंगे। अनुराग ठाकुर ने इससे पहले जागरूकता अभियान के तहत झाड़ू भी लगाए। इससे पहले वे साई सेंटर भी गये, जहां पर युवा व बाल खिलाड़ियों ने फिटनेस के करनब दिखाई। अनुराग ठाकुर ने बच्चों के करनब को देखकर जमकर सराहना की। अनुराग ठाकुर के साथ प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री उपेन्द्र तिवारी, खेल निदेशक आरपी सिंह भी मौजूद रहे।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि मैं भी प्रेरणा लेने की जरूरत होती है। एक-दूसरे को देखकर युवा प्रेरित होते हैं। हमें युवाओं को प्रेरित करने की जरूरत है। इसके लिए साई, केडी सिंह स्टेडियम आदि अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।